मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, गुरुवार,17 अक्टूबर 2024

संवत 2081, आश्विन शुक्ल 15 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-8, अंक 40 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 देश के रेलवे नेटवर्क में क्यों होते है सिग्नल फेल

रकुल को जिम में वर्कआउट करते समय लगी गंभीर चोट 6

सीवान : जहरीली शराब पीने से अब तक 29 लोगों की मौत, 50 से अधिक इलाजरत

सीवानः बिहार के सीवान में जहरीला पेय पदार्थ पीने से मरनेवालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गुरूवार की सुबह तक मृतकों की संख्या 29 पहुंच चुकी है। जिनमें से 23 लोगों का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया गया है। इसके अलावा अन्य कई मौतों का अधिकारिक आंकड़ा इसलिए सामने नहीं आ पाया है, कि पुलिस को सूचना दिये बिना ही परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया है। ऐसे मृतकों की संख्या आधा दर्जन से अधिक है। से पीड़ित 50 से अधिक लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिसमें सदर अस्पताल में सर्वाधिक संख्या है। हालांकि, प्रशासन इस पर कुछ भी बोलने से इनकार कर रहा है। इनमें से अधिकांश लोगों की आंखों की रोशनी चली गयी है। इधर घटना के उजागर होने के बाद से पुलिस की छापेमारी जारी है। जिसमें 9 लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है। वहीं आधा दर्जन से अधिक संदिग्ध लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

हेमंत सोरेन ने बीजेपी पर किया तीखा वार

20 सालों तक झारखंड को लूटने का लगाया आरोप

मेट्रो रेज

रांचीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पार्टी ने 20 वर्षों से अधिक समय तक राज्य को लूटा है। सोरेन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दिसंबर 2019 में झारखंड की महान जनता के आशीर्वाद से मैंने राज्य की बागडोर संभाली। मेरा एकमात्र उद्देश्य झारखंड के पेड़ को सींचना

और उसकी जड़ों को मजबूत करना था। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस पेड़ को 20 साल तक दोनों हाथों से लूटा। इसने उसे सुखा दिया था। हेमंत सोरेन ने जेल से बाहर रहने और फिर से सीएम के रूप में कार्यभार संभालने के 100 दिन पूरे होने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज उन्हें जेल से वापस आकर राज्य की कमान संभाले 100 दिन हो गए हैं। साथ ही चुनाव आयोग ने झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने आगे बीजेपी की आलोचना की और दावा किया कि 20 साल तक पार्टी ने लोगों को शिक्षा और रोजगार जैसी बुनियादी चीजों से वंचित रखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि हमारे गरीब, वंचित और शोषित लोग सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए तरस रहे थे, हमारे आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक अपनी खोई हुई पहचान के लिए तरस रहे थे, हमारे राज्य के बच्चे अच्छी शिक्षा के लिए तरस रहे थे, हमारे होनहार युवा नौकरी और रोजगार के लिए तरस रहे थे, हमारे मेहनती किसान कर्ज के बोझ तले दबे हुए थे, हमारी माताएं-बहनें सम्मान और स्वाभिमान के लिए तरस रही थीं, हमारे मजदूर भाई-बहन अपनी पहचान के लिए तरस रहे थे, हमारे जल, जंगल और जमीन अपनी पहचान के लिए तरस रहे थे।

जेल में लगी भीषण आग, पांच कैदियों की मौत, कई घायल

लीमा : पेरू के शहर हुआंकायो की एक जेल में आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा घायल हो गए। नेशनल पेनिटेंटरी इंस्टीट्यूट (आईएनपीई) ने बुधवार को बताया कि आग रात 9:30 बजे हुआंकायो जेल के पवेलियन दो के शू वर्कशॉप में लगी। इसके कारण पांच लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, स्थिति की जानकारी मिलने पर सुरक्षाकर्मियों ने स्थानीय अग्निशमन कर्मियों को सूचित किया। कम से कम 30 दमकलकर्मी, एम्बुलेंस और सहायता वाहनों के साथ मौके पर पहुंचे। आईएनपीई के बयान के अनुसार, बचाव कार्य में पेरू की राष्ट्रीय पुलिस के 100 अधिकारी, एक ड्यूटी पर तैनात अभियोजक, आपातकालीन चिकित्सा सेवा और अन्य विभागों की एम्बुलेंस भी शामिल थीं। आईएनपीई ने कहा कि स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार, पवेलियन दो के कैदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। निजी प्रसारक एक्सिटोसा की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा माना जा रहा है कि शू वर्कशॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी, जो ज्वलनशील पदार्थों के कारण और भी भयंकर हो गई।

झारखंड विस चुनाव 2024

पहले चरण के लिए प्रत्याशियों की नामांकन प्रक्रिया कल से

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। राज्य की 81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर और दूसरे चरण का 20 नवंबर को होगा। वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आयेंगे। झारखंड में चुनावी प्रक्रिया 18 अक्टूबर से शुरू हो जायेगी। पहले चरण के लिए शुक्रवार से झारखंड की 43 विधासभा सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। 25 अक्टूबर को पहले चरण के नॉमिनेशन करने की अंतिम तारीख होगी। 28 अक्टूबर को नॉमिनेशन की स्क्रूटनी की जायेगी। वहीं 30

अक्टूबर को प्रत्याशियों के नॉमिनेशन वापस लेने का अंतिम दिन होगा। 13 नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा।

पहले चरण में इन 43 सीटों पर होगा मतदानः झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 विधानसभा सीटों पर चुनाव होगा। इनमें कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसांवा, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, विशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटेनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर शामिल हैं।

भारत-न्यूजीलैंड पहला टेस्ट, दूसरा दिन

टीम इंडिया 46 रन पर ढेर, टेस्ट क्रिकेट में बनाया अपना तीसरा न्यूनतम स्कोर

घरेलू पिच पर सबसे कम स्कोर बनाने का 37 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

बेंगलुरु :भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट हो गई है। यह भारत का घरेलू मैदान पर सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले टीम इंडिया 1987 में वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में 75 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुरुवार को भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, लेकिन न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने रोहित के फैसले को गलत साबित कर दिया। स्विंग और उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाज पैर जमाने में नाकाम रहे। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें टिम साउदी ने बोल्ड किया। यशस्वी जायसवाल कुछ देर खेलने के बाद 13 रन पर आउट हुए। विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन खाता भी नहीं खोल सके। मैट हेनरी ने 5 विकेट झटके, जबकि विलियम ओरुर्के को 3 विकेट मिले।

केंद्र सरकार का आदेश : वीआईपी की सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो, सीआरपीएफ संभालेगी कमान

नई दिल्लीः केंद्र सरकर ने आदेश दिया है कि सभी वीआईपी सिक्योरिटी ड्यूटी से एनएसजी कमांडो को हटा लिया जाए, क्योंकि इनका इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए किया जाएगा। जिन वीआईपी लोगों को बहुत ज्यादा खतरा है, उनकी सिक्योरिटी का कमान अब सीआरपीएफ के हवाले होगा। अगले महीने से यह आदेश लागू हो जाएगा। संसद की सुरक्षा से सेवामुक्त हुए सीआरपीएफ जवानों को स्पेशल ट्रेनिंग दिलाकर उन्हें सीआरपीएफ वीआईपी सिक्योरिटी विंग में भेजा गया है। इसके लिए नई बटालियन बनाई गई है। अब ये जवान वीआईपी की सुरक्षा करेंगे। सूत्रों की मानें तो इस समय नौ जेड-प्लस कैटेगरी के वीआईपी हैं, जिनकी सिक्योरिटी एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडो करते हैं। इन वीआईपी में यूपी की सीएम योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, एनसी नेता फारुख अब्दुल्ला, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू शामिल हैं।

विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट में मिली बम होने की धमकी, मुंबई में आपात लैंडिग

मुंबई : विस्तारा की फ्रैंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली, जिसके बाद फ्लाइट की मुंबई में आपात लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 147 यात्री सवार थे। विस्तारा एयरलाइंस ने एक बयान जारी कर बताया कि '16 अक्तूबर 2024 को उन्हें फ्लाइट संख्या यूके 028 में बम रखा होने की सूचना मिली। यह फ्लाइट जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से मुंबई के लिए संचालित होती है। फ्लाइट में बम होने की धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई।

प्रोटोकॉल के तहत सभी संबंधित अथॉरिटीज को तुरंत इसकी सूचना दी गई। विमान सुरक्षित मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। इसके बाद विमान को आइसोलेशन एरिया में ले जाया गया, जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया।'

विस्तारा एयरलाइंस की फ्रैंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट ने बुधवार रात करीब 8.20 बजे फ्रैंकफर्ट से मुंबई के लिए उड़ान भरी थी। यह फ्लाइट सुरक्षित बुधवार सुबह 7.45 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर उतरी। सूत्रों के अनुसार, सोशल मीडिया के जरिए विमान में बम रखा होने की धमकी दी गई। विमान में 134 यात्री और 13 क्रू के सदस्य सवार थे। मुंबई में आपात लैंडिंग के बाद विमान को अलग एरिया में ले जाकर उसकी जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये मंगलवार को 22 विमानों में बम रखा होने की धमकी दी गई। इसमें एयर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जा रही फ्लाइट भी शामिल थी। धमकी मिलने के बाद इस फ्लाइट को कनाडा की ओर मोड़ दिया गया। जहां फ्लाइट की जांच की गई। अधिकारियों के मुताबिक सभी धमकियां फर्जी निकलीं। एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर-बंगलूरू वाया अयोध्या फ्लाइट में बम की धमकी दी गई। इस विमान को अयोध्या में उतारा गया और जांच की गई। इसके अलावा स्पाइसजेट के दरभंगा-मुंबई विमान (एसजी 1 16) और अकासा के सिलीगुड़ी-बंगलूरू विमान (क्यूपी 1373) में भी बम होने की धमकी मिली। सूचना मिलने इन विमानों की आपात लैंड कराकर जांच की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की वैधता बरकरार रखी, 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाया

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट असम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए 1985 में संशोधन के माध्यम से जोड़े गए नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की सांविधानिक वैधता को चुनौती वाली याचिकाओं पर गुरुवार को फैसला सुनाया। इस धारा को असम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए 1985 में एक संशोधन के माध्यम से संविधान मे शामिल किया गया था। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत, एमएम सुंदरेश और मनोज मिश्रा ने बहुमत से फैसला सुनाया, जबकि जस्टिस जेबी पारदीवाला ने असहमति जताई।

सुप्रीम कोर्ट ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए असम में अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने संबंधी नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि असम समझौता अवैध प्रवास की समस्या का राजनीतिक समाधान है।

प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने बहुमत से दिए गए अपने फैसले में कहा कि संसद के पास इस प्रावधान को लागू करने की विधायी क्षमता है। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने असहमति जताते हुए धारा 6ए को असंवैधानिक करार दिया।

कोर्ट के बहुमत के फैसले में कहा गया कि असम में प्रवेश और नागरिकता प्रदान करने के लिए 25 मार्च, 1971 तक की समय सीमा सही है। नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए पर कोर्ट ने कहा कि किसी राज्य में विभिन्न जातीय समूहों की उपस्थिति का मतलब अनुच्छेद 29(1) का उल्लंघन कदापि नहीं है ।

इससे पहले पीठ ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले चार दिनों तक अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान, कपिल सिब्बल और अन्य की दलीलें सुनीं थीं। बता दें कि धारा 6ए की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाते हुए 17 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। धारा 6ए को असम समझौते के तहत संविधान के नागरिकता अधिनियम में शामिल लोगों की नागरिकता से निपटने के लिए एक विशेष प्रावधान के रूप में शामिल किया गया था।

केंद्र सरकार ने एक हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह भारत में विदेशियों के अवैध प्रवास की सीमा के बारे में सटीक डाटा प्रदान करने में सक्षम नहीं होगी, क्योंकि ऐसा प्रवास गुप्त तरीके से होता है। 7 दिसंबर को, शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6 ए (2) के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्रदान करने वाले प्रवासियों की संख्या और भारतीय क्षेत्र में अवैध प्रवास को रोकने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं, इस पर डाटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

हलफनामे में कहा गया था कि 2017 से 2022 के बीच 14,346 विदेशी नागरिकों को देश से निर्वासित किया गया। जनवरी 1966 से मार्च 1971 के बीच असम में प्रवेश करने वाले 17,861 प्रवासियों को इस प्रावधान के तहत भारतीय नागरिकता दी गई। इसमें कहा गया था कि 1966-1971 के बीच विदेशी न्यायाधिकरणों के आदेश से 32,381 लोगों को विदेशी घोषित किया गया।

धारा-6ए विशेष प्रावधान के तहत शामिल की गई थीः नागरिकता अधिनियम की धारा-6ए विशेष प्रावधान के तहत शामिल की गई थी ताकि असम समझौते के तहत आने वाले लोगों की नागरिकता से संबंधित मामलों से निपटा जा सके। कानून के इस प्रावधान में कहा गया है कि जो लोग एक जनवरी 1966 को या इसके बाद और 25 मार्च 1971 से पहले बांग्लादेश सहित उल्लेखित इलाकों से असम आए हैं और यहां निवास कर रहे हैं उन्हें वर्ष 1985 में संशोधित नागरिकता कानून के तहत नागरिकता के लिए धारा-18 के तहत अपना पंजीकरण कराना होगा। इसका नतीजा यह है कि बांग्लादेश से असम आने वालों के लिए कानून का यह प्रावधान 25 मार्च 1971 की कट ऑफ तारीख तय करता है।

न्यूज ब्रीफ

सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल चट्टी में इंटर स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता

रांचीः सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल चट्टी में इंटर स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस खेलकूद प्रतियोगिता मे सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल नॉज,(ठाकुरगाँव)रांची एवं सेक्रेड नॉलेज प्ले स्कूल,बेड़ो रांची के लगभग 400 बच्चों ने कबड्डी,खो -खो,चम्मच दौड़,बिस्किट दौड़,वाद विवाद,चित्रकला,भाषण प्रतियोगिता आदि मे भाग लिया। विशेषज्ञ शिक्षकों की देखरेख में सभी प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। जिसमें कबड्डी,खो -खो, चित्रकला,भाषण,बिस्कुट दौड़, चम्मच दौड़ एवं वाद विवाद प्रतियोगिता में सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल चट्टी लोहरदगा के बच्चों ने बाजी मारकर प्रथम स्थान पर रहे जबकि सेक्रेट नॉलेज प्ले स्कूल बेड़ो,रांची एवं सेक्रेट नॉलेज पब्लिक स्कूल नॉज (ठाकुरगांव) रांची के बच्चे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप मे छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,संरक्षक छत्रपाल राम उस्ताद,कांजो मध्य विद्यालय के भूतपूर्व प्रधानाचार्य शंभू कुमार राणा की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल चट्टी के निदेशक अमित कुमार ने अपने संबोधन मे कहा बच्चे देश के भविष्य हैं,बच्चे के बीच ऐसे प्रतियोगिता के आयोजन होने से बच्चों मे अपनी कमियों अपनी खूबियों को जानने का अवसर मिलता है।भविष्य मे भी विद्यालय मे इस तरह का प्रतियोगिता का आयोजन होते रहेगा जिससे बच्चों को अपनी प्रतिभाओं को दिखाने का अवसर मिलता रहेगा।सेक्रेड नॉलेज प्ले स्कूल बेड़ो के निर्देशक संजय कुमार ने कहा खेल में हार जीत लगी रहती है जो हार गए उसे हताश नहीं होना है और जो जीत गए उसे अति उत्साहित भी नहीं होना है,खेल के जैसा ही जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता है और उसे पूरा करने के लिए हमें गतिशील रहने की आवश्यकता है।सेक्रेड नॉलेज पब्लिक स्कूल नॉज के निदेशक विष्णु कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा पढ़ाई के साथ-साथ खेल खुद भी बहुत ही महत्वपूर्ण है खेलकूद हमें अनुशासित रखता एवं जीवन में आगे की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने बच्चों के उत्साहवर्धन करते हुए कहा झारखंड के अनेक बच्चों ने खेलकूद के क्षेत्र मे झारखंड का नाम देश मे रौशन किया है केवल इन बच्चों को दिशा निर्देश एवं गाइड की आवश्यकता है वहीं भूतपूर्व प्राचार्य शंभू कुमार राणा ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से विद्यालय के शिक्षक लक्ष्मी शर्मा,मार्था लकड़ा,गुलशन कुमार,राहुल सिंह,तुषार खन्ना,नीलम कुमारी,अर्चना लकड़ा,पूजा कुमारी,नीरू खालको,पंकज कुमार व अन्य ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीसीएल में एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम

रांचीः सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग ने साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन पंकज कुमार, सीवीओ, सीसीएल, एके। सिंह, महाप्रबंधक (सतर्कता), और सुरेश बेहरा, महाप्रबंधक (सिस्टम) की उपस्थिति में किया गया। सीवीओ पंकज कुमार एवं सुरेश बेहरा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए साइबर सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए एक उत्पादक और इंटरैक्टिव सत्र की शुभकामनाएं दीं। सत्र में डिजिटल साक्षरता जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई जिसमें यह समझाया गया कि हम ऑनलाइन कितने सुरक्षित हैं, विभिन्न इंटरनेट साइटों पर नेविगेट करते समय क्या करें और क्या न करें, साइबर सुरक्षा के स्तंभ (गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता), और एक मजबूत साइबर को बढ़ावा देने के महत्व पर सुरक्षा संस्कृति का निर्माण कैसे करें। यह कार्यक्रम अत्यधिक लाभकारी साबित हुआ, जो पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों तरह से मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने के साथ-साथ प्रतिभागियों को खुद को और अपने संगठनों को साइबर खतरों से बचाने के लिए आवश्यक ज्ञान से लैस किया। ज्ञात हो कि यह क्षमता निर्माण कार्यक्रम सीसीएल में चल रहे सतर्कता जागरूकता अभियान 2024 के अंतर्गत आयोजित किया गया था।सीसीएल द्वारा इस अभियान के तहत मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

जन आरोग्य केंद्र, सीसीएल ने किया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रांचीः जन आरोग्य केन्द्र, सीसीएल द्वारा रांची के पिस्का नगड़ी स्थित आदर्श वृद्धा आश्रम में एक निःशुल्क श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) जाँच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 40 वृद्धों की जाँच की गयी और उन्हें चिकित्सीय सलाह एवं आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवा भी दी गई। आश्रम में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ईसीजी एवं हाइपरटेंशन का निःशुल्क जाँच किया गया। ज्ञात हो कि सीसीएल देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन के साथ-साथ अपने कर्मियों एवं हितधारकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए इस तरह का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन समय-समय पर करते रहती है। शिविर के सफल आयोजन में सीएमएस, सीसीएल, डॉ। रत्नेश जैन; सीएमओ, सीएसआर, डॉ। प्रीती तिग्गा; डॉ। मेजर शिल्पी, डॉ। रंजीत कुमार, डॉ। दीपक सिंह, डॉ। अनीता होरो,डॉ। रजनी कुजूर, डॉ। दीपाली, डॉ। सत्यप्रकाश रंजन, डॉ। शिल्पी झा, डॉ। प्रियंका झा एवं पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

पंखे से लटक कर युवक ने की आत्महत्या

युवक के पास मिले सुसाइड नोट में लिखा डॉक्टर को मिले सजा

मेट्रो रेज

सतगावांः थाना क्षेत्र के शिवपुर ग्राम निवासी सुमंत कुमार सिंह उम्र 28 वर्ष पिता अजय सिंह का शरीर बंद कमरे में पंखे से दुपट्टा में लटका पाया गया। बताया जाता है कि युवक रात को साढ़े नौ बजे के करीब घर पर आया जिसके बाद अपने कमरे में गया और जब उसकी मां द्वारा खाना खाने के बुलाया गया तो नही आया।वहीं कुछ समय उपरांत जब परिवार के लोग बुलाने गए तो दरवाजा अंदर से बंद मिला जिसके बाद दरवाजे को धक्का भी दिया गया बावजूद दरवाजा नही खुला जिसके बाद परिवार वाले दरवाजा खोलने के बहुत प्रयास किया लेकिन नही खुला तो वही आसपास के लोग को बुलाया गया तो दरवाजा तोड़ा गया जिसके बाद देखा गया की युवक पंखे से लटका मिला।आनन फानन में परिवार और आसपास के लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां ले गया जहां से तुरंत एंबुलेंस से सदर अस्पताल कोडरमा भेज दी गई जहां मौत की पुष्टि के बाद बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शिवपुर ग्राम के संकरी नदी स्थित मुक्तिधाम में संस्कार किया गया।वहीं कोडरमा में युवक के पास से ही एक सुसाइड नोट प्राप्त हुआ। जिसमे लिखा है की सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र सतगावां के चिकित्सक सत्यनारायण भकत और प्रियांशु वर्णवाल के द्वारा मानसिक पड़ताड़ना से आहत होकर मैं आत्म हत्या कर रहा हूं। प्राप्त सूचना के अनुसार कुछ दिन पहले युवक सुमंत कुमार सिंह की तबियत खराब हुई थी जो अपना ईलाज हेतु हॉस्पिटल गया जहां दोनो चिकित्सक और युवक की बीच बहस हुई जिसके बाद सतगावां थाना में चिकित्सक के द्वारा आवेदन दिया गया और बताया जाता है की तभी से मृतक मानसिक रूप से आहत था ।मृतक सुमंत चार भाई बहनों में सबसे छोटा था। एक भाई और दो बहनों को शादी हो चुकी है जबकि सुमंत सिंह की शादी दिसंबर माह में ही होने वाली थी।मृतक की मां पड़ोसी राज्य बिहार में सरकारी विद्यालय की शिक्षिका है जबकि इनके पिता आर्मी से सेवानिवृति के बाद भारतीय जीवन बीमा में कार्यरत थे । घटना के बाद परिवार वालों रोना थम नही रहा वहीं इस घटना के बाद पूरा गांव और प्रखंड वासी स्तब्ध हैं पूरे गांव में सुनने के बाद जैसे चारो तरफ मातम ही मातम है वहीं प्रखंड के लोगो को भी जानकारी मिलने के बाद तांता लगा हुआ है। शोक व्यक्त करने वालो में बीजेपी मंडल अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह, मरचोई मुखिया उत्तम सिंह,पूर्व मुखिया धीरज सिंह, तारणी सिंह, सुरेंद्र सिंह, विमल सिंह, चुन्नू सिंह, राहुल सिंह, पंकज सिंह, नीतीश कुमार, राजेश रंजन, प्रणव मुरारी, रंजन सिंह, दीपेश अग्रवाल, रंजन सिंह, पंकज गुप्ता, शशि सिंह, अभय कुमार, मुकेश सिंह, अरविंद सिंह, प्रवीण सिंह, रोहित दुबे, विनय वैध, कन्हैया कुमार, प्रवीण कुमार, धर्मेंद्र कुमार व अन्य शामिल थे।

एक ही दिन में दो युवकों ने की आत्महत्या

आनन - फानन में शवों को जला दिया गया

सिल्ली : बुधवार को सिल्ली थाना क्षेत्र के दो गांव में दो युवकों के आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पहला मामला थाना क्षेत्र के पलासडीह गांव की है जहां एक ग्रामीण चिकित्सक के बेटे ने आत्महत्या कर ली। मृतक युवक का नाम विकास कुमार बताया जाता है। हालांकि इस घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच दबे जुबान पर कई तरह की चर्चाएं है। शव को बिना पोस्टमार्टम कराये आनन फानन में जला दिया गया है जो लोगों का समझ से परे है । दूसरी घटना कोंचो गांव की बतायी जाती है यहां नशे के आदी तीन बच्चों के पिता अपने ही घर में फांसी लगा ली। घटना के तुरंत बाद आनन फानन में उसको सिल्ली का एक निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया । इसके पश्चात उसका अंतिम दाह संस्कार कर दिया गया है। वही हर लोगों के जुबा पर चर्चा है कि युवक काफी ईमानदार और सरल स्वाभाव का था, साउंड सिस्टम में लाखों रुपये इन्वेस्टमेन्ट कर परिवार का जीविका चलता था। गलत लोगों के संगत में आकर नशा का ऐसा लत लगा की लोगों ने साउंड सिस्टम को कौड़ी के भाव में खरीदा और कुछ हड़प लिया। जिसे उसकी आर्थिक स्थिति दयनीय होती गई और आए दिन परिवार के साथ झगड़ा-झंझट करने लगा था। घर का इकलौता कमाई करने वाला और इस तरह से चले जाने से मानों परिवार में दुखों का पहाड़ टूट गया है। इधर इस तरह की लगातार घट रही घटनाओ को लेकर लोग कहते है दिनों दिन नशा करने वाले युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। युवक शराब ब्राउन शुगर, गांजा आदि की लत में पड़ कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं और नशे के कारोबारी जिम्मेदारों की अनदेखी से मालामाल हो रहे है। गांव-गांव चौक-चौराहे तथा बजारों में खुल्लेआम शराब बिक रहा है।

सेल की रांची इकाईयों में साइबर हाइजीन व साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

मेट्रो रेज

रांचीः सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के अभियान मोड के हिस्से के रूप में, रांची स्थित सेल इकाईयों के सतर्कता विभाग द्वारा साइबर हाइजीन और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व महाप्रबंधक (सतर्कता) और एसीवीओ विशाल सिन्हा ने किया, जिसमें सेल इकाईयों के रांची कर्मचारियों के जीवनसाथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, सेल के कार्यकारी निदेशक (एसडीटीडी) वेद प्रकाश ने आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया, साइबर सुरक्षा में जागरूकता और शिक्षा की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एमटीआई के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) श्री संजय धर और एमटीआई के महाप्रबंधक प्रभारी (शैक्षणिक) अतनु मुखर्जी ने भी दर्शकों को संबोधित किया, और साइबर सुरक्षा और साइबर हाइजीन जागरूकता की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम के संकाय झारखंड में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए साइबर सलाहकार कुमार सौरभ ने निम्नलिखित आवश्यक विषयों को कवर कियाः

साइबर खतरों को समझनाः विभिन्न प्रकार के साइबर खतरों और कमजोरियों की पहचान करना।

सुरक्षित ऑनलाइन अभ्यासः पासवर्ड प्रबंधन और फि शिंग प्रयासों को पहचानने सहित ऑनलाइन सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम अभ्यास।

घटना प्रतिक्रियाः साइबर घटना के मामले में जोखिम को कम करने और उल्लंघनों की प्रभावी ढंग से रिपोर्ट करने के लिए उठाए जाने वाले कदम।

कार्यक्रम ने न केवल जागरूकता बढ़ाई बल्कि प्रतिभागियों को डिजिटल युग में खुद को और अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए व्यावहारिक ज्ञान से भी लैस किया। सामूहिक प्रयास ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक सुरक्षित और सूचित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए सेल की चल रही प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

उत्पाद विभाग का अवैध देशी शराब निर्माण स्थल पर छापेमारी

कसमारः सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने पेटरवार थाना अंतर्गत चांदो ग्राम में संचालित अवैध शराब निर्माण स्थल पर छापेमारी की। मौके से उत्पाद टीम ने 3,000 किलोग्राम जावा महुआ शराब एवं 150 लीटर अवैध चुलाई शराब को जब्त किया। वहीं, अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले वस्तुओं को नष्ट किया। छापेमारी के क्रम में फरार अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापेमारी दल में अवर निरीक्षक सदर सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक उत्पाद तेनुघाट महेश दास एवं पुलिस बल उपस्थित थे। वहीं विधानसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर बोकारो जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त बोकारो ने सहायक आयुक्त उत्पाद को लगातार अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण झ बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024

भाजपा ने तय किए 55 प्रत्याशियों के नाम

रांचीः चुनाव आयोग द्वारा 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने उम्मीदवारों का चयन करने और रणनीति तैयार करने के लिए मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में बैठक की। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष सीईसी सदस्यों में से थे, जिन्होंने उम्मीदवारों की संभावित सूची पर विचार-विमर्श किया। झारखंड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और संजय सेठ के अलावा पार्टी की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी मौजूद थे। भाजपा राज्य में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। झारखंड में दो चरणों में 13 नवंबर और 20 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। भाजपा राज्य में अपने सहयोगियों को भी साधने की कोशिश में है। भगवा पार्टी ने एनडीए के अन्य सहयोगियों के लिए केवल 12 सीटें छोड़ने की योजना बनाई है। इसमें नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जेडीयू 4, एजेएसयूपी और चिराग पासवान की पार्टी शामिल है। दावा किया जा राह है कि भाजपा ने 55 सीटों के लिए लगभग अपने उम्मीदवार तय कर लिए है। वहीं, सहयोगियों से भी बातचीत जारी है। नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जेडीयू 4 सीटों के लिए दबाव बना रही है, जबकि बीजेपी पार्टी के लिए 2 सीटें छोड़ना चाहती है।

सरकारी दावों की उड़ी धज्जियां, महिला ने सरकारी अस्पताल के बाहर बच्चे को दिया जन्म

रांचीः झारखंड की गरीब-पिछड़ी और आदिवासी महिलाएं कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। आलम ये है कि महिलाओं को इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। राज्य की लचर स्वास्थ्य सेवाओं का खामियाज आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। जिसका ताजा उदाहरण रांची के सदर अस्पताल के बाहर देखने को मिला, जहां एक गर्भवती महिला अपने बच्चे को जन्म देने अस्पताल पहुंचती है लेकिन उसे एडमिट नहीं किया जाता है। बताया जा रहा है कि दर्द से तड़प रही महिला को किसी तरह की कोई चिकित्सीय सुविधा नहीं दी गई थी। पीड़ित महिला की पहचान रांची के काठीटांड़ की रहनेवाली गुलशन खातून के तौर पर हुई है। गर्भवती गुलशन खातून दर्द से कराहते हुए रांची सदर अस्पताल पहुंची थी। ड्यूटी पर मौजूद एक महिला डॉक्टर ने उसका इलाज किया और डिलीवरी में कॉम्प्लिकेशन बताते हुए महिला को रिम्स में रेफर कर दिया। लेकिन परिजनों को रिम्स ले जाने के लिए एंबुलेंस नहीं मिला। जिसकी वजह से वह अस्पताल के बाहर ही बच्चे को जन्म देने को मजबूर हुई।

इस प्रकार की संवेदनहीनता और लापरवाही की इस घटना ने हेमंत सोरेन सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल दी है। इस घटना के बारे में सोशल मीडिया पर लोगों ने खुलकर लिखा है। एक एक्स यूजर ने लिखा, "कितनी लचर व्यवस्था है रांची सदर अस्पताल की, बुनियादी सुविधाओं का अभाव दूर हो जाए तो झारखंडवासियों को मैया सम्मान योजना जैसे लोलीपॉप योजना की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। झारखंड सरकार को महिलाओं के प्रति स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता के लिए विशेष योजना लाना चाहिए ताकि माताओं बहनों को ऐसी असुविधा और घोर लापरवाह व्यस्था का सामना न करना पड़े।"

इस मामले को लेकर कड़ी आलोचना हुई तो हेमंत सोरेन सरकार की प्रशासन ने इस मामले पर संज्ञान लिया है। इस पूरे मामले पर रांची डीसी एक जांच टीम बनाई है। ये टीम जांच करेगी ये किसकी लापरवाही है और उसके बाद अपनी जांच रिपोर्ट उपायुक्त को सौंपेगी। फिलहाल बता दें कि महिला की हालत ठीक है। लेकिन उसे कुछ भी हो सकता था। हेमंत सरकार पर अब सवाल उठ रहे हैं कि एक ओर वो मैया योजना के तहत महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये भेजते हैं और दूसरी ओर उनके शासन में महिलाओं की ऐसी हालत है। सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था और साथ ही एंबुलेंस की उपलब्धता को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति पूरे राज्य में एक बार फिर चिंता का विषय बन चुकी है। हाल ही में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां मरीजों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। मुख्यमंत्री की सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का वादा किया था, लेकिन जमीनी हकीकत में सुधार के कोई ठोस संकेत नहीं मिल रहे हैं। सरकार अस्पतालों की स्थिति दयनीय है। राज्य के कई सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। अस्पतालों में साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता और गंदगी के बीच मरीजों को उपचार का इंतजार करना पड़ता है। कहीं-कहीं तो मरीजों को समय पर इलाज भी नहीं मिल पाता है। झारखंड के कई अस्पतालों में चिकित्सा उपकरण पुराने और खराब हालत में हैं, जिससे मरीजों को सही समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। उदाहरण के लिए हाल ही में धनबाद के सरकारी अस्पताल में एक मरीज को गंभीर हालत में लाया गया, लेकिन उसे आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध नहीं होने के कारण वापस भेजना पड़ा। इस तरह की घटनाएं अब आम हो चुकी हैं और स्थानीय लोगों में निराशा का माहौल है। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और नर्सों की कमी भी एक गंभीर समस्या है।

न्यूज ब्रीफ

चुटूपालू घाटी में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रेलर, आवागमन बाधित

रांची/ रामगढ़ : रामगढ़ के चुटूपालू घाटी में सड़क हादसा हो गया। यहां गुरुवार की सुबह रांची से हजारीबाग की ओर जा रहा एक पाइप लोड ट्रेलर अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकराया और पलट गया। दुर्घटना में ट्रेलर भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और उसमें लोड पाइप सड़क पर चारों ओर बिखर गया है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को सड़क से हटाने के लिए हाइड्रा और क्रेन को मंगवाया गया है। फिलहाल सड़क से वाहन को हटाने का काम जारी है। इधर घटना के बाद सड़क की एक लेन पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। बता दें कि रामगढ़ की चुटूपालू घाटी ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित है। घाटी में आये दिन सड़क दुर्घटना में लोग अपनी जान गंवा रहे हैं।

हेमामालिनी और अभिनेत्री ईशा देओल को देखने के लिए उमड़ी भीड़

रांचीः भाजपा सांसद हेमामालिनी और अभिनेत्री ईशा देओल को देखने के लिए उमड़ी भीड़, एक शोरुम के उद्घाटन पर पहुंची थी।

आचार संहिता लागू होने के बाद हुआ ठेका आवंटन, ठोस करवाई की मांग

कोडरमाः कांग्रेस नेता सईद नसीम ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को उपायुक्त कोडरमा के माध्यम पत्र लिख झुमरीतिलैया नगरपरिषद में आचार आदर्श संहिता लागू होने के बाद हुआ ठेका आवंटन को गलत व लाभ पंहुचने के उद्देश्य से किये जाने पर उचित करवाई की मांग करते हुवे पत्र में कहा है कि नगर परिषद झुमरीतिलैया में गड़बड़ी की नित्य मामले सामने आ रहें है। अभियंताओं के करतुतों के कारण नगर परिषद इन दिनों लगातार चर्चा में है। समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला है शहर में व्याप्त गंदगी के कारण डेंगू का प्रकोप बढ़ने तथा अन्य शिकायतों के कारण आपके द्वारा स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। इधर, मंगलवार को समय 3 ।30 में आदर्श आचार संहिता लागू होने के उपरांत 5 ।23 मिनट में नगरपरिषद झुमरीतिलैया द्वारा ठेका आवंटन किया जाना आदर्श आचार संहिता का उलंघन है। पूर्व से ही मनचाही कमीशन नही मिलने के कारण नगर परिषद द्वारा वार्ड संख्या एक में एक ठेका का आवंटन महिनों तक लटकाये रखा गया और इधर मंगलवार को आदर्श आचार संहिता की घोषणा की संभावना बनी तो टेंडर दिन में खोला गया। नियम के तहत डबल बीड के टेंडर में टेक्नीकल एवं फायनेंसियल एक ही दिन नहीं खोला जाना है। लेकिन नगर परिषद के अभियंताओं ने चुनाव की घोषणा के बाद करीब 5 से साढ़े पांच बजे के बीच टेंडर खोल कर फाइनल किया है। इसके अभियंता दीपक साव 5 वर्षों से नगरपरिषद में जमे है। लंबे समय से इनका एक जगह जमे रहना निर्वाचन आयोग के आदेश को खुल्लमखुल्ला धज्जियां उड़ाने के समान है पूर्व के बीते चुनाव में भी इनका आचरण नियम विरुद्ध लाभ पंहुचाने का रहा था इनके द्वारा टेंडर अपने चहेतों को देने लाभ पंहुचाने के आरोप आये दिन लगते रहते है। सईद नसीम ने पत्र में मांग किया है गंभीर मामले की गहनता से जांच कर दोषी अधिकारियों व अभियंताओं के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाय।

दुगार्बाड़ी में धूमधाम से हुई लक्खी पूजा

रांचीः श्री श्री हरी सभा तथा दुर्गा पूजा समिति की ओर से अल्बर्ट एक्का चौक स्थित श्री दुगार्बाड़ी के प्रांगण में बुधवार को मां कोजागोरी लक्खी पूजा (लक्ष्मी पूजा) का आयोजन किया गया। श्री श्री दुर्गा बाड़ी के प्रवक्ता प्रदीप रॉय बाबू ने बताया कि रात 8.5 बजे पूजा आरंभ हुई, जो रात्रि 9.40 बजे समाप्त हुई। पूजा के दौरान चूंकि रात्रि बेला की पूजा है, इसलिए इस विशेष पूजा में सर्वप्रथम पूजा के बाद मां की आरती की गई। आरती में शंख ध्वनि एवं बंग समुदाय की विशेष उल्लू ध्वनि का ही प्रावधान है। इसके उपरांत मां को भोग निवेदित किया गया, जिसमें मां को शुद्ध नारियल का लड्डू, चूड़ा, चीनी एवं बुंदिया तथा घी की पूड़ी एवं छेना के मिष्ठान्न सहित फल, फूल का भोग चढ़ाया गया। मां लक्ष्मी की आरती के बाद पुष्पांजलि संपन्न हुई, इसके बाद हवन किया गया, जो रात्रि 11 बजे समाप्त हुआ। पूजा का संचालन एवं संपन्न कराने में श्री दुर्गा बाड़ी के गोपाल भट्टाचार्य, सेतांक सेन, श्यामल रॉय, संदीप चौधरी, प्रदीप रॉय, जयंत कर, अमित रॉय, मृणाल घोष, संजय रॉय, देवनाथ गांगुली, दीपेंद्र नारायण घोष, छोटन सूत्रधर, नारायण प्रमाणिक, सीमंतो प्रमाणिक समेत अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

कल रांची आयेंगे तेजस्वी यादव, राजद नेताओं के साथ करेंगे बैठक, 19 अक्टूबर को राहुल गांधी का कार्यक्रम

मेट्रो रेज

रांची : कांग्रेस नेता राहुल गांधी 19 अक्तूबर को रांची पहुंचेंगे। वह राजधानी के शौर्य सभागार में आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। साथ ही साथ वे विभिन्न सामाजिक संगठन, जातीय संगठन, संविधानविद, शिक्षाविद सहित समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ बैठक करेंगे। सम्मेलन में पांच सौ प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। इधर सम्मेलन की तैयारी को लेकर पार्टी व अलग-अलग संगठन जुटे हैं। वहीं, तेजस्वी यादव भी कल रांची आएंगे। इसके बाद वे राजद कार्यकताओं संग मुलाकात कर सीट शेयरिंग पर चर्चा करेंगे।

पासवा के बैनर तले होगा कार्यक्रम का आयोजनः वहीं, लोकसभा के नेता प्रति पक्ष राहुल गांधी के आगमन को लेकर कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे ने बताया कि पासवा के बैनर तले यह कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली से आये प्रतिनिधि प्रतिष्ठा सिंह, मनोज त्यागी और अनिल जैन की देखरेख में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को कार्यक्रम स्थल का मुआयना करने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव सहित कई नेता शौर्य सभागार पहुंचे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे नेताः डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने संविधान,लोकतंत्र एवं सामाजिक न्याय को लेकर आम जनों तक मजबूती के साथ अपनी बात रखी। वे लोकसभा चुनाव के बाद पांच प्रदेशों में संविधान सम्मान समारोह कर वहां के लोगों के साथ संवाद करके उनके विचारों को आत्मसात कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से भी उन्होंने पूरे हिंदुस्तान को नजदीक से समझने की कोशिश की थी। इसी कड़ी में झारखंड के सामाजिक, जातिगत, बौद्धिक, शैक्षणिक, संविधानविद, प्रोफेसर,डॉक्टर और इंजीनियर के साथ संवाद करेंगे। कांग्रेस नेता सुबोध कांत सहाय, लाल किशोर नाथ शाहदेव डॉ राजेश गुप्ता और डॉ कुमार राजा कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं।

सीट शेयरिंग पर इंडिया गठबंधन की बैठक कलः इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग के मुद्दे को लेकर 18 अक्तूबर को बैठक होगी। इसी दिन पटना से राजद नेता तेजस्वी यादव रांची पहुंचेंगे। वहीं कांग्रेस के भी कई नेता रहेंगे। वामदल के नेता भी इस बैठक में रहेंगे। इनकी बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ होगी। बताया गया कि इसी दिन सीट शेयरिंग पर फैसला लिया जायेगा। इसके ठीक अगले दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी रांची आयेंगे। बताया गया कि 18 को सीट शेयरिंग पर फैसला लिया जायेगा। फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी मंजूरी ली जायेगी। इसके बाद इसे सार्वजनिक किया जायेगा। झामुमो सीट शेयरिंग फाइनल होने के बाद अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर देगा।

पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज कांडों का समय पर करें निष्पादनः एडीजी अभियान

रांचीः पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज कांडों का निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का एडीजी अभियान संजय आनन्द लाठकर ने निर्देश दिया है। झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित किया था। इस दौरान एडीजी ने जिले के एसपी को यह निर्देश दिए। इस बैठक में रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी भी शामिल हुए थे। इस बैठक में एडीजी अभियान ने महिलाओं के के खिलाफ होने वाले लैंगिक और पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज कांडों के निर्धारित समय सीमा के अंदर निष्पादन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिन जिलों के निष्पादन स्तर में कमी पाया गया, उन जिलों के एसपी को कांड के निष्पादन के कई बिन्दुओं पर निर्देश देते हुए कांड का निष्पादन त्वरित गति से करने और जिलों में दर्ज संवेदनशील कांडों की मॉनिटरींग करने साथ ही साथ जोनल आईजी और डीआईजी भी पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत दर्ज कांडों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कांडों का निष्पादन सुनिश्चित कराने के लिए निर्देश दिया गया।

एडीजी अभियान जिले के एसपी को यह निर्देश दिया गया कि जब तक कोर्ट से संबंधित पदाधिकारी और कर्मी अपने कार्यालय में उपस्थित रहते हैं तब तक उनकी सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। साथ ही न्यायिक पदाधिकारियों के आवासों की भी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। जिला के प्रधान सत्र न्यायाधीश से समन्वय स्थापित कर सीसीटीवी कैमरा स्थापित करने के लिए आवश्यकतानुसार उसकी संख्या की सूची जैपआईटी को उपलब्ध कराते हुए। सभी न्यायालयों में सीसीटीवी कैमरा की निगरानी के लिए पर्याप्त संख्या में तकनीकी रूप से दक्ष पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाये। एडीजी ने कहा कि पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों की गवाही न्यायालय में ससमय सुनिश्चित करने और वैसे पुलिस पदाधिकारी और कर्मी जो न्यायालय में अपनी गवाही के लिए उपस्थित नहीं होते हैं, उनके विरूद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा जोनल आईजी और रेंज के डीआईजी निर्देश दिया गया की गवाहों की उपस्थिति के संबंध में विशेष समीक्षा करने सहित जिलों में स्थापित विधि शाखाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर ध्यान दें।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024

बीके हरिप्रसाद-गोगोई और मारकम वरिष्ठ समन्वयक नियुक्त, कांग्रेस ने जारी किया पत्र

मेट्रो रेज

रांचीः पार्टी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तत्काल प्रभाव से झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हरिप्रसाद, गोगोई और मारकम को एआईसीसी का वरिष्ठ समन्वयक नियुक्त किया है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

डीएवी शिक्षादीप विद्यालय हेहल पहाड़ टोली को मिली सीआईएसई की मान्यता

रांचीः डीएवी शिक्षादीप हेहल पहाड़ टोली विद्यालय को सीआईएसई की मान्यता मिलने पर आज विद्यालय मे सीआईएसई संबद्धता समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि शारदा ग्लोबल स्कूल कांके रांची के निदेशक अनुज रंजन एवं विशिष्ठ अतिथि छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच यूनिट(छात्र क्लब ग्रुप)के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, कलावती स्कूल ऑफ नर्सिंग कमड़े के प्रशासनिक पदाधिकारी विश्वदीपक पांडे,विद्यालय के संस्थापिका नीलम देवी,संरक्षक ब्रजेश पाठक, निदेशक मंडली प्रभास गौरव,अविनाश गौरव,प्रवक्ता कुणाल कुमार एवं विद्यालय के सभी शाखा के प्राचार्य एवं शिक्षकगण आदि थे।

इस मौके पर विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं निदेशक द्वारा दीप प्रज्वलितकर किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भक्तिमय संगीत पेश किया।मुख्यअतिथि द्वारा प्राचार्य आनंद कुमार दूसरे शाखा के प्राचार्य अनिल कुमार राय, राजेश कुमार एवं अन्य शिक्षकों को पुष्प गुच्छ एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया।मुख्यअतिथि अनुज रंजन ने विद्यालय को सीआईएसई संबद्धता के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी एवं कहा अब विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुविधाएं प्राप्त होगी।

डीएवी शिक्षा दीप जयप्रकाश नगर के प्राचार्य आलोक कुमार ने अंग्रेजी के पठन पाठन के माहौल पर जोड़ दिया।निदेशक शिव नंदन पाठक ने विद्यालय में अच्छे शैक्षणिक माहौल एवं कड़ी मेहनत के लिए सभी शिक्षकों को बधाई दी।मंच संचालन अविनाश गौरव एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थापिका नीलम देवी ने की।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज,17 व 18 अक्टूबर को बारिश की संभावना

रांचीः झारखंड में बदलते राजनीतिक समीकरण के साथ मौसम का भी मजाज बदल रहा है। नेताओं का इधर से उधर आना-जाना लगा हुआ है। इसी तरह बेमौसम बारिश भी हो रही है। बुधवार को रांची सहित विभिन्न इलाकों में झमाझम बारिश हुई। मौसम केंद्र ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में डिप्रेशन की वजह से मौसम ने करवट ली है। इस कारण बादल छाए हुए हैं और बारिश भी हो रही है। 17 और 18 को भी बारिश की संभावनाः मौसम विभाग के अनुसार, 17 और 18 अक्टूबर को भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश की संभावना जताई गई है। वज्रपात की भी संभावना जताई गई है। 17 अक्तूबर को रांची सहित देवघर, धनबाद, गोड्डा, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़ साहेबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं 18 अक्टूबर को भी बारिश की संभावना जताई गई है।

डीसी वरुण रंजन ने पंडरा स्थित मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

रांचीः डीसी वरुण रंजन ने आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर पंडरा स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था राजेश्वर नाथ आलोक, उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन, सभी निवार्ची पदाधिकारी, ईवीएम नोडल पदाधिकारी और सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। डीसी ने वोटिंग काउंटिंग सेंटर पंडरा रांची एवं पंडरा स्थित वज्रगृह के पुरे परिसर का अवलोकन करते हुए तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं उन्होंने तमाम व्यवस्था को दुरस्त करने का निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिया।

निरीक्षण के क्रम में स्ट्रांग रूम में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (इवीएम) के रख-रखाव की व्यवस्था, काउंटिंग कक्ष, पोलिंग पार्टी रूट, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मतगणना केंद्र का निरीक्षण के क्रम में उन्होंने सीसीटीवी कैमरा, पंडाल, स्ट्रांग रूम, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षाकर्मियों, चुनाव में तैनात कर्मियों के लिए भोजन की व्यवस्था, शौचालय आदि की व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। मतगणना क्रम में पुरे परिसर में गंदगी नहीं रहे एवं उन्होंने सम्बंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बिल्डिंग का रंग-रोगन भी कराने को कहा।

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, खूँटी।
(जिला निर्वाचन शाखा)

अति अल्पकालीन निविदा रद्द की सूचना
DEO/DY DEO/ELE/KHUNTI/2024/0009

पूर्व में प्रकाशित अति अल्पकालीन निविदा मतदान सामग्री एवं कार्यालय उपयोग सामग्री PR 338720 Election (24-25)_D को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

ह०/–
उप निर्वाचन पदाधिकारी
खूँटी।

PR 339136 (Election) 24-25 (D)

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, खूँटी
(जिला निर्वाचन शाखा)

अति अल्पकालीन निविदा रद्द की सूचना
DEO/DY DEO/ELE/KHUNTI/2024/0007

पूर्व में प्रकाशित अति अल्पकालीन निविदा टेन्ट/शामियाना/अस्थायी विद्युतीकरण /ध्वनि विस्तारक यंत्र PR 338706 Home (24-25)_D को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

ह०/–
उप निर्वाचन पदाधिकारी, खूँटी।

PR.NO.339134 Election(24-25):D

सुविचार

जिसकी फितरत हमेशा बदलने की हो वह कभी किसी का नहीं हो सकता है, चाहे वह समय हो या इंसान...!

शक्ति कम, आस ज्यादा...

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास मानी जा रही है। पांच साल बाद जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिली है। हालांकि इस बीच अनुच्छेद 370 के तहत हासिल विशेष दर्जा तो समाप्त हो ही गया, राज्य की उसकी हैसियत भी नहीं रही। ऐसे में नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती है। अच्छी बात यह है कि जहां आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा।उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी पिछले दिनों एक इंटरव्यू में कहा कि उपराज्यपाल से टकराव मोल लेकर मैं जम्मू-कश्मीर की जनता का क्या भला कर पाऊंगा। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक को देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। इसमें इस सावधानी की झलक देखी जा सकती है कि मुद्दा मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया ब्लॉक के घटक दलों में मतभेद का न बन जाए। फिसलन भरी राहइन तमाम शुरूआती पॉजिटिव संकेतों के बावजूद अभी से यह नहीं कहा जा सकता कि नई सरकार का यह कार्यकाल कितना फलप्रद साबित होने वाला है। राज्य का दर्जा वापस करने की मांग तो अपनी जगह है ही, एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है।

फिर वही कहानी

भारत और कनाडा के रिश्ते यों तो पिछले करीब एक साल से खासे तनावपूर्ण चल रहे थे, लेकिन सोमवार को वे अतल गहराइयों में गोता लगाते दिखे। भारत ने न केवल ओटावा से अपने उच्चायुक्त को वापस बुला लिया बल्कि नई दिल्ली में एक्टिंग हाईकमिश्नर सहित छह कनाडाई राजनयिकों को शनिवार तक देश छोड़ने को कह दिया। इस कदम से साफ है कि दोनों देशों के रिश्ते इस हालत में पहुंच गए हैं कि कम से कम हाल-फिलहाल इसमें किसी तरह के सुधार की गुंजाइश नहीं दिख रही। इसके मूल में जस्टिन ट्रूडो सरकार का यह निराधार आरोप है कि कनाडा में पिछले साल हुई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। दिलचस्प है कि खुद पीएम ट्रूडो संसद में सार्वजनिक तौर पर यह आरोप लगा चुके हैं, लेकिन आज तक उनकी सरकार इसके पक्ष में कोई सबूत नहीं पेश कर पाई है। भारत को सबूत सौंपने का दावा वह जरूर करती है, लेकिन जब उसने आरोप सार्वजनिक तौर पर लगाए तो उसे सबूत भी सार्वजनिक करने चाहिए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। ऐसा न करने की वजह से भारत की यह शिकायत जायज लगती है कि कनाडा सरकार एक ही बात को बार-बार दोहराने और गोल-गोल घुमाते रहने के अलावा कुछ नहीं कर रही। ऐसे में जब सोमवार को उसने भारतीय उच्चायुक्त को ही 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर दिया तो भारत का नाराज होना स्वाभाविक था। गौर करने की बात है कि भारत ने कनाडा की मौजूदा सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए साफ कहा कि वह अपने राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर उसकी प्रतिबद्धता पर भरोसा नहीं करती और इसीलिए उन्हें वापस बुला रही है। भारत के इस असाधारण रूप से कठोर रुख के पीछे यह तथ्य है कि बार-बार ध्यान दिलाने के बावजूद ट्रूडो सरकार कनाडा में सक्रिय खालिस्तान समर्थक तत्वों पर किसी तरह का अंकुश लगाने को तैयार नहीं हुई। इसके उलट उनकी गतिविधियों को अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा करार देती रही है। भारत ने अगर ट्रूडो सरकार के इस रुख को उसकी राजनीतिक मजबूरियों से जोड़ा है तो उसके पीछे भी यह ठोस तथ्य है कि उस सरकार का अस्तित्व अलगाववादी कट्टरपंथियों के समर्थन पर निर्भर करता है। बहरहाल, ताजा विवाद भले ही भारत और कनाडा के द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़ा दिख रहा हो, लेकिन इसमें निहित मुद्दे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के बुनियादी सरोकारों से वास्ता रखते हैं। मूल मसला यह है कि भारत जिन तत्वों को अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा समझता है, ट्रूडो सरकार उन्हें लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ लेने देती है। ऐसे में अच्छा यही होगा कि वह अपनी गलतियां माने और भारत के साथ रिश्ते सामान्य बनाने की पहल करे।

देश के रेलवे नेटवर्क में क्यों होते है सिग्नल फेल

दरअसल, भारतीय रेलवे के एक लाख किलोमीटर से अधिक फैले देशव्यापी ट्रैक नेटवर्क के जरिये प्रतिदिन करीब ढाई करोड़ यात्री अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचते हैं। साल 2019-20 की एक सरकारी रेलवे सुरक्षा रिपोर्ट में पाया गया है कि 70 फीसदी रेलवे दुर्घटनाओं के लिए उनका पटरी से उतरना जिम्मेदार रहा। इसके बाद ट्रेन में आग लगने और टक्कर लगने के मामले आते हैं, जो कुल दुर्घटनाओं में क्रमशः 14 और आठ फीसदी के लिए जिम्मेदार हैं। इस रिपोर्ट में साल 2019-20 के दौरान 33 यात्री ट्रेनों और सात मालगाड़ियों के पटरी से उतरने की घटनाएं गिनाई गईं।

पी सौरभ

देश का रेलवे बुनियादी ढांचा विशालतम होने के साथ बेहद पुराना है। इसके पुराने होने की वजह से भी विभिन्न कमियों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा मंडराता रहता है। हाल ही में सिग्नल की विफलता के कारण मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस चेन्नई के पास एक स्थिर मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे मजबूत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश पड़ा। दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक होने के बावजूद, इस तरह की घटनाएं आधुनिकीकरण की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

दरअसल, भारतीय रेलवे के एक लाख किलोमीटर से अधिक फैले देशव्यापी ट्रैक नेटवर्क के जरिये प्रतिदिन करीब ढाई करोड़ यात्री अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचते हैं। साल 2019-20 की एक सरकारी रेलवे सुरक्षा रिपोर्ट में पाया गया है कि 70 फीसदी रेलवे दुर्घटनाओं के लिए उनका पटरी से उतरना जिम्मेदार रहा। इसके बाद ट्रेन में आग लगने और टक्कर लगने के मामले आते हैं, जो कुल दुर्घटनाओं में क्रमशः 14 और आठ फीसदी के लिए जिम्मेदार हैं। इस रिपोर्ट में साल 2019-20 के दौरान 33 यात्री ट्रेनों और सात मालगाड़ियों के पटरी से उतरने की घटनाएं गिनाई गईं। इनमें से 17 दुर्घटनाएं में ट्रैक में खराबी के कारण हुईं। नौ हादसे ट्रेनों, इंजन, कोच, वैगन में खराबी के कारण हुए।

ट्रेनों का पटरी से उतरना रेलवे के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।

एक ट्रेन कई कारणों से पटरी से उतर सकती है। ट्रैक का रखरखाव खराब हो सकता है, कोच खराब हो सकते हैं और गाड़ी चलाने में गलती हो सकती है। ट्रेन हादसों को रोकने के लिए ट्रेन की पटरियों का

मरम्मत कार्य होते रहना बहुत जरूरी है। धातु से बनी रेलवे पटरियां गर्मी के महीनों में फैलती हैं और सर्दियों में तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण सिकुड़ती है। ऐसे में इनके नियमित रखरखाव की जरूरत होती है। जरा-सी लापरवाही बड़े हादसे की वजह बन सकती है। ढीले ट्रैक को कसना, स्लीपर बदलना और अन्य चीजों के अलावा, चिकनाई और समायोजन स्विच। इस तरह का ट्रैक निरीक्षण पैदल, ट्रॉली, लोकोमोटिव और अन्य वाहनों द्वारा किया जाता है।

कई वर्ग अभी भी मैन्युअल सिग्नलिंग पर भरोसा करते हैं, जिससे मानवीय त्रुटि का खतरा बढ़ जाता है, जो दुर्घटनाओं का एक महत्वपूर्ण कारक है। 2024 मैसूर-दरभंगा टक्कर सिग्नलिंग विफलता के कारण हुई। ट्रेन को गलत ट्रैक पर ले जाया गया। 2017 कलिंग उत्कल एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना का कारण ट्रैक की खराब स्थिति को बताया गया था। अत्यधिक काम करने वाले कर्मचारी, विशेष रूप से लोकोमोटिव पायलट, अक्सर तनावपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं, जिससे त्रुटियां होती हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की 2021 की रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी सीधे सुरक्षा को प्रभावित करती है।

कई भारतीय रेलगाड़ियां पुराने कोचों का उपयोग करती हैं, जिनमें क्रैशवर्थी डिजाइन जैसी आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं का अभाव होता है। 2023 की ओडिशा दुर्घटना में पुराने आईसीएफ कोच शामिल थे, जो आधुनिक एलएचबी कोचों की तुलना में कम प्रभाव-प्रतिरोधी थे। मजबूत आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की कमी भी दुर्घटना होने पर क्षति को बढ़ा देती है। 2023 की बालासोर दुर्घटना में मलबा हटाने में छह घंटे से अधिक का समय लगा, जिससे बचाव कार्यों में देरी हुई। इन कमियों को दूर करने में 'कवच' प्रणाली की भूमिका बहुत ही अहम है, कवच प्रणाली लाल सिग्नल पार करने पर ट्रेनों को स्वचालित रूप से रोक देती है, जिससे खतरनाक टकराव को रोका जा सकता है। रेल मंत्रालय ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्गों पर कवच लागू किया है। इसके बाद रेल हादसों में कमी आई। कवच यह पता लगाता है कि दो ट्रेनें एक ही ट्रैक पर हैं और टक्कर को रोकने के लिए स्वचालित रूप से ब्रेक लगता है। दक्षिण-मध्य रेलवे नेटवर्क पर कवच सुनिश्चित करता है कि ट्रेनें गति सीमा से अधिक न चलें।कवच लोकोमोटिव पायलटों पर कार्यभार कम करता है, मानवीय त्रुटियों को कम करता है।

परीक्षणों से पता चला है कि कवच-संरक्षित ट्रेनों का उपयोग करने वाले पायलटों के बीच थकान सम्बंधी त्रुटियों में 50 फीसद की कमी आई है। कवच का एकीकरण कई बुनियादी ढांचे की चुनौतियों का समाधान करते हुए अधिक डिजिटलीकृत और स्वचालित रेलवे प्रणाली की ओर बदलाव का संकेत देता है। राष्ट्रीय रेल योजना 2030 में कवच को 34,000 किलोमीटर के उच्च-घनत्व वाले मार्गों पर विस्तारित करने की परिकल्पना है। 2024 के रेल बजट में 1, 112.57 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसी में से प्रमुख रेलवे गलियारों में कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली का विस्तार होना है। कवच के कार्यान्वयन के बाद बेंगलुरु-चेन्नई मार्ग पर आपातकालीन प्रतिक्रिया समय कम हो गया है।

कवच प्रणाली सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए एक परिवर्तनकारी समाधान प्रदान करती है। सिग्नलिंग प्रणालियों को आधुनिक बनाकर, टकरावों को रोककर और ट्रेन परिचालन में सुधार करके, कवच उन कई कमियों को दूर कर सकता है जो दुर्घटनाओं में योगदान करती हैं। भारत में सुरक्षित रेलयात्रा सुनिश्चित करने के लिए इसके कार्यान्वयन को पूरे नेटवर्क में विस्तारित करना महत्वपूर्ण है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भुखमरी खत्म करने का लक्ष्य अधूरा क्यों

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संदेह है कि क्या अगली पीढ़ी तक भूख को मिटाना का लक्ष्य पूरा हो पाएगा या नहीं? यह सवाल सभी को सोचने पर मजबूर करता है। फिलहाल आज का दिन भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतराष्ट्रीय कोष शामिल रहते हैं। ये खास दिन भूख से पीड़ित लोगों के लिए वैश्विक जागरूकता और उनके खाद्य अधिकारों पर कार्यवाही को भी बढ़ावा देता है।

डॉ. आर ठाकुर

भूख के आंकड़े ना सिर्फ भारत बल्कि विश्व भर में डरावने हैं। इससे जुड़े तथ्य रौंगटे खड़ी कर देती है। संसार में 11 में से एक व्यक्ति आज भी रात में भूखे पेट सोने को मजबूर है। दुनिया के 73 करोड़ आबादी अब भी रोजाना भूखे पेट है। इनमें वो देश भी शामिल हैं जो तरक्की की दिन-रात डींगे हांकते हैं। बहरहाल, 2024 की हंगर इंडेक्स रिपोर्ट के बीच 'विश्व खाद्य दिवस' मनाना अपने आप में मायने रखता है। हंगर रिपोर्ट के बहाने आज भुखमरी जैसे गंभीर विषय पर कम-से-कम गंभीर विमर्श किया जा सकता है।

पिछले 45 वर्षों से 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता रहा है। इसकी शुरूआत वर्ष 1979 में हुई थी। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की सालाना बैठक में सदस्य देशों की आम सहमति से 16 अक्टूबर को ये दिवस तय किया गया था। यह वह समय था जब आधी दुनिया भूख से कराहने को मजबूर थी। दरअसल, इसी समय करीब 45 ऐसे देश थे जो गुलामी की बेड़ियों से नए-नए आजाद हुए थे। तब उनके सामने पेट भरने की सबसे बड़ी चुनौती थी। क्या बुजुर्ग, क्या बच्चे सभी भूख-प्यास से बिलखते थे। हालांकि भारत को आजाद हुए तब तीन दशक हो चुके थे इसलिए बिगड़ी स्थिति को संभाल लिया गया। यहां तक कि इस मामले में भारत ने दूसरे देशों की मदद भी की। 'विश्व खाद्य दिवस' अपने शुरूआती दिनों से ही बहुत खास दिन रहा है। आज भी कई देश खाद पदार्थों की अनुपलब्धता का सामना कर रहे हैं। दूसरे, कई देशों में युद्ध, संघर्ष या टकराव हैं जिससे स्थिति भयावह बनी हुई है। इसलिए भूख, गरीबी से लड़ने और भोजन के अधिकार के लिए आज का दिन उन लोगों के लिए खास हैं जो जरूरतमंद हैं।

पिछले सप्ताह आई 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट-2024' उन देशों को सतर्क करती है जिनकी स्थिति भूख को लेकर अब भी ज्यादा अच्छी नहीं बताई गई है। रिपोर्ट में भारत का स्थान 127 देशों में 105वां है, हालांकि पिछले सालों की तुलना में रैंक में मामूली सुधार हुआ है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स-2023 में भारत 125 देशों में 111 वें स्थान पर था। बावजूद इसके गंभीरता से मंथन करने की हमें भी जरूरत है। रिपोर्ट का इशारा इस ओर भी है कि विभिन्न देशों की सरकारें, निजी क्षेत्र, किसानों, शिक्षाविदों और नागरिक समाज यह सुनिश्चित करें कि सभी लोगों को पर्याप्त विविध, पौष्टिक और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध हों। असमानता और गरीबी से निबटने, उनकी उपलब्धता बढ़ाने के लिए स्वस्थ भोजन विकल्प चुनने, भोजन की बबार्दी को कम करने और पर्यावरण रक्षा करने में हम सभी की भूमिकाएं होती हैं। भोजन की बबार्दी बड़ा मुद्दा उभर कर सामने आया है। इसे तत्काल प्रभाव से रोके जाने की जरूरत है। इसमें सिर्फ सरकार नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। क्योंकि भोजन की उपलब्धता पर सभी का एक समान अधिकार है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कई देशों में भुखमरी के हालात पैदा हुए हैं। अन्य देशों द्वारा अगर मानवीय सहायता न की जाएं, तो वहां स्थिति और बदतर हो जाती। भुखमरी के शिकार देशों की जहां तक बात है, तो भूख के मामले में हैती अब भी सबसे ऊपर है। वहां कई अन्य परेशानियों के अलावा बार-बार प्राकृतिक आपदाओं का आना भी भूखमरी बढ़ाने का कारण बना हुआ है। इसी कारण हैती की लगभग 65 प्रतिशत आबादी भूख का दंश झेलने को मजबूर है। वहां आधे से ज्यादा लोग आज भी गरीबी रेखा से नीचे हैं। वहीं, भूख पर आईसीएमआर की रिपोर्ट पर गौर करें, तो भारत में 2018 में 19 करोड़ लोग ऐसे थे जिन्हें रोज दो वक्त का भरपेट खाना नहीं मिला। वर्ष-2022 में ये संख्या बढ़कर 35 करोड़ हुई। हालांकि इन आंकड़ों में बीते दो वर्षों में सुधार हुआ है। केंद्र सरकार की मुफ्त आनाज वितरण योजना ने इन आंकड़ों को कम करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इस योजना को बीते सप्ताह 2028 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। भूख से लड़ाई लंबी है, इसे कम करने के लिए समूचे संसार को ईमानदारी से प्रयास करने होंगे।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संदेह है कि क्या अगली पीढ़ी तक भूख को मिटाना का लक्ष्य पूरा हो पाएगा या नहीं? यह सवाल सभी को सोचने पर मजबूर करता है। फिलहाल आज का दिन भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतराष्ट्रीय कोष शामिल रहते हैं। ये खास दिन भूख से पीड़ित लोगों के लिए वैश्विक जागरूकता और उनके खाद्य अधिकारों पर कार्यवाही को भी बढ़ावा देता है। खाद पदार्थों में अब मिलावट का होना कोई नई बात नहीं। दूषित खाने से लोगों का बीमार होना आम बात हो गई। ऐसे में 'विश्व खाद्य दिवस' सभी को प्रेरित करता है, सभी के लिए स्वस्थ आहार सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वाल्मीकि जयंती पर विशेष : रामायण की रचना

आज यानी की 17 अक्तूबर 2024 को महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जा रही है। महर्षि वाल्मिकी का जन्म आश्विन मास की शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। बता दें कि विद्वता और तप के कारण वाल्मीकि जी को महर्षि की पदवी प्राप्त हुई थी। वह बहुत बड़े विद्वान हुआ करते थे। महर्षि वाल्मीकि ने हिंदू धर्म के सबसे अहम महाकाव्यों में से एक रामायण की रचना की थी। इसके अलावा वह संस्कृत का आदि कवि यानी संस्कृत भाषा के प्रथम कवि के तौर पर भी जाना जाता है। तो आइए जानते हैं वाल्मीकि जयंती के मौके पर शुभ मुहूर्त, पौराणिक कथा और महत्व के बारे में...

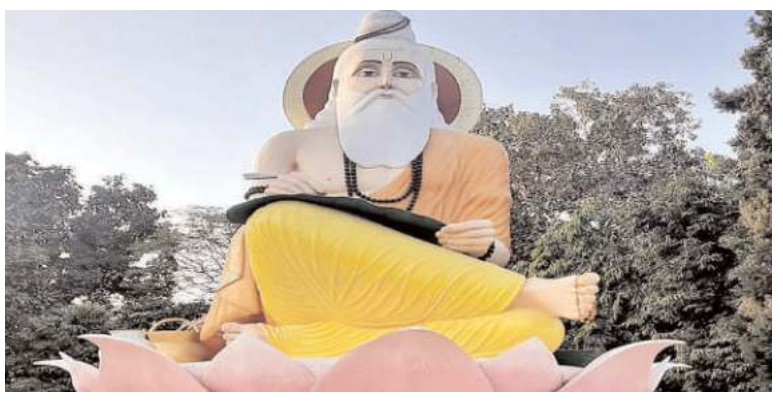

कब है वाल्मीकि जयंती

आश्विम माह की पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 16 अक्तूबर की रात 0:40 मिनट पर हुई है। वहीं आज यानी की 17 अक्तूबर 2024 को दोपहर 04:55 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। उदयातिथि के हिसाब के 17 अक्तूबर 2024 को महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जा रही है।

ऐसे पड़ा वाल्मीकि नाम

पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि वाल्मीकि का नाम पहले रत्नाकर हुआ करता था। तब वह एक डाकू थे और वन में आने वाले लोगों के साथ लूटपाट कर अपने परिवार का भरण-पोषण किया करते थे। एक बार रत्नाकर ने वन में आए नारद मुनि को लूटने की कोशिश की। लेकिन महर्षि नारद द्वारा दी गई शिक्षा से रत्नाकर के हृदय परिवर्तन हुआ और उन्होंने अपने पापों की क्षमायाचना करते हुए कठोर तपस्या की। इस तपस्या में वह इतना लीन हो गए कि उनके पूरे शरीर पर चीटियों ने बांबी बना ली, इस कारण रत्नाकर का नाम वाल्मीकि पड़ा।

रामायण की रचना

बता दें कि रामायण महाकाव्य की रचना से संबंधित एक कथा मिलती है। जिसके मुताबिक महर्षि वाल्मीकि ने ब्रह्मा जी के कहने पर रामायण की रचना की थी। कथा के अनुसार, वाल्मीकि जी ने क्रौंच पक्षी की हत्या करने वाले एक शिकारी को श्राप दे दिया। लेकिन इस दौरान उनके मुख से अचानक एक श्लोक की रचना हो गई। तब ब्रह्मदेव प्रकट हुए और कहा कि उनकी प्रेरणा से ही वाल्मीकि के मुख से ऐसी वाणी निकली है। इसलिए आप भगवान श्रीराम के संपूर्ण के चरित्र की श्लोक के रूप में ही रचना करें। इस तरह से महर्षि वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य की रचना की थी।

अध्यात्म

क्रोध की हालत में सही निर्णय नहीं हो पाता है

क्रोध विनाश का कारण बन जाता है। क्रोध कभी नहीं करना चाहिए। यह व्यक्ति की मति मार देता है, बुद्धि हर लेता है। इसके वशीभूत होकर लोग अक्सर गलत कदम उठा लेते हैं। इसकी वजह से इंसान सही-गलत में अंतर नहीं कर पाता है और वहशीपन पर उतारू हो जाता है। इसके प्रभाव में आदमी अपनापन, स्नेह, लगाव, प्रेम, आत्मीयता तो छोड़िए, अपना अस्तित्व तक भूल जाता है। क्रोध की अवस्था में किसी व्यक्ति और खूंखार जानवर में कोई फर्क नहीं रह जाता है। इंसान का रोष उसके लिए कई बार अभिशाप के रूप में भी सामने आता है। यह मानव मन की एक भावना है, जिसे अक्सर अच्छा नहीं माना जाता है। क्रोध का जनक भय भी माना जाता है। जब इंसान भय पर नियंत्रण करने की कोशिश करता है तो वह रोष के रूप में प्रकट होता है। कहा गया है कि काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह ये सब जीवन के सबसे बड़े शत्रु हैं। एक गुरु अपने शिष्यों को हमेशा अच्छाई और सदाचार का प्रचार-प्रसार करने की शिक्षा दिया करते थे। वह कहते थे कि केवल उपदेश देने में समय न गंवाना, बल्कि अपने हाथों से दीन-दुखियों, पीड़ितों, असहायों, निराश्रितों की अधिक से अधिक सेवा करना। किसी के यहां जाकर प्रेमपूर्वक सहायता मांगने पर अगर वह आपके साथ अमर्यादित आचरण करे, तब भी उस पर क्षोभ मत करना। वह जानते थे कि धन, संपत्ति संग्रह करने की प्रवृत्ति भय, कलह पैदा करती है। इसलिए वह अपने शिष्यों को समझाते कि अपने पास अपनी जरूरत भर की ही चीजें रखना। अधिक का संग्रह मत करना। भिक्षा में जो भोजन मिल जाए, उसी से संतुष्ट रहना। उन्होंने यह भी कहा कि लोग तुम्हारा विरोध करेंगे, उत्पीड़न भी करेंगे। लेकिन बहुत सावधानीपूर्वक शांति और धैर्य बनाए रखना। यह मानकर चलना कि वे शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं, आत्मा को नहीं। कारण बताते थे, आत्मा तो अमर, अजर और अविनाशी है। वह समझाते थे- सत्य, अहिंसा पर अटल रहने वाले को कोई नहीं मार सकता। जो तुम्हारा तिरस्कार करता है, वह स्वयं भगवान का तिरस्कार करता है, क्योंकि उसी भगवान ने हम सबको बनाया है। भगवान श्रीकृष्ण ने क्रोध को नर्क का द्वार बताया है। उन्होंने कहा है कि जो मनुष्य बात-बात पर तैश में आ जाता है, वह जीवन में कभी तरक्की नहीं कर पाता है और जीवन में हमेशा दुखी रहता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**

email : metrorays.ranchi@gmail.com

राजनीतिक पार्टी का पोस्टर या प्रचार सामाग्री को 48 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश

मेट्रो रेज

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड सभागार में बीडीओ मेघनाथ उरांव ने प्रखंड पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों एवं प्रखंड कर्मियों के साथ एक समीक्षात्मक बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया, उन्होंने सभी पंचायत सचिव एवं क्षेत्रीय कर्मी को आदर्श आचार संहिता पर कहा कि प्रतिदिन ऑनलाइन बायोमेट्रिक एवं हाजरी पंजी में दैनिक उपस्थिति दर्ज करने,विधानसभा निर्वाचन 2024 के निमित प्रखंड क्षेत्र के गांव में अवस्थित सभी सरकारी भवनों पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य उप केन्द्र, विद्यालय भवन एवं सड़क परिसंपत्ति पोल आदि में लगे किसी भी राजनीतिक पार्टी का पोस्टर या प्रचार सामाग्री को 48 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश

दिया। साथ ही सभी मतदान केंद्र भवनों में मूलभूत सुविधाओ को दुरुस्त करने का निर्देश दिए। सभी पंचायतों में पंचायत सुदृढ़ीकरण मद से दरी, सोलर लाइट सिस्टम, बैट्री, लाइट बल्ब एवं स्टील ट्रंक की खरीदारी कर सामग्रियों का वाउचर एवं संचिका तैयार करने सहित पंचायत भवनों में अवस्थित उपस्कर पंखा, कुर्सी टेबल,अन्य सामग्री को उपस्कर पंजी में दर्ज करने का आदेश दिया गया मौके पर पंचायत सचिव दयानंद प्रशाद, संतोष आनंद, मनरेगा जेई योगेश कुमार मंडल सहित प्रखंड एवं अंचल कर्मी मौजूद थे।

आचार संहिता लगते ही सभी कोषांग हुए रेस

जिला मे विधानसभा आम निर्वाचन-2024 की घोषणा के साथ सभी कोषांग का गठन

मेट्रो रेज

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- उपायुक्त के निदेशानुसार गठित कोषांग में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन-2024 निर्वाचन से संबंधित कार्यों को सुचारू रूप से करना प्रारंभ कर दिया है ।निर्वाचन से संबंधित जिला में कुल 16 कोषांग बनाए गए हैं । जिनमें कार्मिक कोषांग, आईटी सूचना एवं तकनीकी कोषांग, ईभी, भीभीपीएडी

-सह -मतपत्र कोषांग, सामग्री- सह- मतदाता सूची विखंडीकारण कोषांग, वाहन कोषांग, विधि व्यवस्था एवं आदर्श आचार संहिता-सह- सुविधा एप एवं सी -भीआईजीआईएल कोषांग, मीडिया -सह- हेल्प डेक्स कोषांग, निर्वाचन कोषांग, लॉजिस्टिक कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, स्वीप कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, पोस्टल बैलेट कोषांग, व्यय कोषांग आदि का गठन किया गया हैं।

दुमका में कब्र से निकाला गया शव पत्नी ने जताई हत्या की आशंका

मेट्रो रेज

दुमका : जामा थाना पुलिस ने बुधवार को लगला पंचायत के बैसा गांव के समीप बहने वाली जोरिया (पहाड़ी नदी) के किनारे से मजिस्ट्रेट अशोक बड़ाईक की उपस्थिति में एक पुरुष के शव को कब्र से निकाला है। मृतक की पत्नी ने पुलिस को आवेदन देकर अपने पति की हत्या की आशंका जताई थी।

मछली पकड़ने जोरिया गया था रघु

दरअसल, दुमका के जामा थाना क्षेत्र के बैसा गांव की लुखी हेंब्रम ने मंगलवार को जामा थाना में आवेदन दिया था। जिसमें उसने उल्लेख किया है कि पिछले माह 27 सितंबर की शाम को गांव का ही रविन्द्र हेंब्रम उसके पति रघु किस्कू को मछली पकड़ने की बात कहकर जोरिया ले गया था।

जोरिया किनारे मिला था रघु का शव

थोड़ी देर के बाद गांव के तापस बास्की के द्वारा सूचना मिली

कि उसका पति जोरिया के किनारे बेहोश पड़ा हुआ है। पत्नी जब मौके पर पहुंची तो उसने देखा कि रघु मछली के जाल में लिपटा है और घायल अवस्था में पड़ा है। उसने तुरंत 108 पर फोन कर एंबुलेंस बुला लिया, लेकिन एंबुलेंस के कर्मी ने बताया कि रघु मर चुका है।

28 सितंबर को शव को दफनाया गया था

इसके बाद परिजनों ने 28 सितंबर को रघु के शव को बैसा जोरिया के पास दफना दिया। शव को दफनाने से पहले परिजनों ने पाया कि मृत रघु के शरीर पर काफी जख्म के निशान हैं। साथ ही अंडकोष भी फूला हुआ पाया। इतना ही नहीं गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई थी।

संदेह होने पर गांव में हुई थी पंचायती

शव को दफनाने के उपरांत दो अक्टूबर को गांव में पंचायती बुलायी गयी। जिसमें पंचों ने रविन्द्र बास्की को बुलाया और घटना के संबंध में उससे पूछताछ की। लेकिन उसने साफ-साफ कुछ नहीं बताया। इसके बाद पत्नी ने थाना में आवेदन देकर रविन्द्र बास्की पर पति की हत्या करने की आशंका जताई है। पत्नी ने पुलिस से मांग की थी कि उसके पति के शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम कराया जाए।

पत्नी के आवेदन पर हुई कार्रवाई

मृतक की पत्नी लुखी हेंब्रम का आवेदन मिलने के बाद जामा थाना प्रभारी अजीत कुमार ने सीओ अशोक बड़ाईक की उपस्थिति में जेसीबी की मदद से शव को कब्र से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

इस संबंध में जामा के थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि मृतक रघु किस्कू की पत्नी के आवेदन पर शव को कब्र से बाहर निकाला गया है। पत्नी का आरोप है कि उसके पति की हत्या की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजनीतिक पार्टी के साथ बीडीओ ने की बैठक

मेट्रो रेज

साहिबगंज /मंडरो : मंडरो प्रखंड विकास पदाधिकारी के कक्ष में बीडीओ मेघनाथ उरांव अध्यक्षता में एवं मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार की उपस्थिति में सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बुधवार को आदर्श आचार संहिता लागू होने पर एक बैठक आयोजित किया गया।बैठक में बीडीओ ने जनप्रतिनिधियों को बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से अगले 48 घंटे में सभी प्रकार के झंडा, बैनर, पोस्टर, या दीवाल लेखन को हटाने का आदेश दिया गया।साथ ही इस दौरान किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दिया गया। बीडीओ द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि वोटरों को पैसा देकर लुभाने मोटे रुपये लेकर भ्रमण करने पर पाबंदी रहेगी,किसी भी गांव, कस्वा, बाजार चौक चौराहों पर ग्रामीणों व वोटरों के साथ नगद राशि या उपहार की लेन-देन नहीं करने की बात कही गई, आचार संहिता की सभी नियमों को पालन करना हम सभी का दायित्व है,मोके पर जनप्रतिनिधियों में जेम्स किस्कू,सफीक अंसारी,नसीम अख्तर,सरीफ अंसारी अंशु पाल तांती,बरहुददीन अंसारी, बाबूलाल मरांडी,ढेना हेंम्ब्रम, मनोज किस्कू सहित अन्य उपस्थित थे।

राजा यादव हत्याकांड : परिजनों का आरोप, पुलिस जांच में कर रही कोताही

पलामू : जिले के मनातू थाना क्षेत्र में कुछ महीने पहले राजा यादव (70 वर्षीय) की हत्या कर दी गयी थी। पुलिस के अनुसार, राजा यादव की हत्या ओझा-गुनी के चक्कर में हुई थी। पुलिस ने राजा यादव हत्याकांड मामले का उद्वेदन कर दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। राजा यादव के परिजनों का आरोप है कि मनातू थाना की पुलिस जांच में कोताही कर रही है। उनका कहना है कि हत्या का मुख्य आरोपी अभी भी खुले आम बाहर घूम रहा है। राजा यादव की पत्नी राधवा देवी का कहना है कि अपने पति को न्याय दिलाने के लिए वह दर-दर भट रही हैं। अपराधियों को गिरफ्तारी को लेकर थाना का चक्कर लगा लगाकर थक चुकी हैं। लेकिन पुलिस सहयोग नहीं कर रही है। सभी जगहों से निराशा हाथ लगने के बाद वो पलामू एसपी से मिले और अपनी आप बीती सुनायी। कहा कि एसपी ने एक टीम गठित कर पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।मृतक राजा यादव की पत्नी राधवा देवी, बेटा गुड्डू यादव और पोता उज्जवल यादव के अनुसार, राजा यादव ने राजेश यादव को अपनी जमीन एग्रीमेंट की थी। राजेश यादेव उस जमीन पर भट्ठा चला रहा है। लेकिन वह उसके बदले में रेंट नहीं दे रहा था। पैसा मांगने पर वह बार-बार समय देकर मुकर जाता था। इसको लेकर राजा यादव और राजेश यादेव के बीच करीब दो साल से विवाद चल रहा था। हत्या से एक दिन पहले राजा यादव ने राजेश को पैसा देने या फिर जमीन खाली करने की बात कही थी। इसी के अगले दिन अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से राजा यादव की हत्या कर दी। राजा यादव की पत्नी राधवा देवी का आरोप है कि उनके पति की हत्या राजेश यादव, बृजेश यादव, प्रदीप यादव और मनोज यादव ने की है। उसने इस संबंध में पुलिस को आवेदन भी दिया, लेकिन उन लोगों पर केस दर्ज नहीं किया गया।

झारखंड मजदूर संघ ने प्रखण्ड अध्यक्ष को बदला

मेट्रो रेज

साहिबगंज : झारखंड मजदूर संघ के केंद्रीय कार्यालय बाकुड़ी में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव की अध्यक्षता में संगठन की मजबूती को लेकर जिले के सभी प्रखंड में फेरबदल करते हुए प्रखंड अध्यक्ष की प्रतिनियुक्ति की गयी।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने बताया कि झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की केंद्रीय कमेटी के अनुसार जिले के राजमहल प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष के रूप में यमुना राय,उधवा प्रखंड में मोहन मंडल, साहिबगंज सदर के धर्मेंद्र चौधरी, मंडरो के बिनय कापरी,बोरियो के आलोक

तालझारी के बिनोद कुमार पंडित,बरहरवा के संजीव घोष,बरेहट के धर्मल किस्कू व पतना प्रखंड में रोबेन दास के रूप में प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया।सभी प्रखंड अध्यक्षों को माला पहनाकर स्वागत किया गया.मौके पर केंद्रित संगठन मंत्री महेन्द्र नाथ ठाकुर,फूल कुमारी, जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव,शंभू पंडित,कार्तिक राय सहित अन्य मौजूद थे।

धनबाद में भाजपा नेता के घर डकैती का प्रयास, बुजुर्ग की भी पिटाई

मेट्रो रेज

धनबाद : जिले में अपराधियों का मनोबल काफी बढ़ गया है। हथियारबंद अपराधियों ने मंगलवार की देर रात महुदा थाना क्षेत्र में भाजपा नेता सह कांड्रा पंचायत के मुखिया धनेश्वर महतो के घर में घुसकर डकैती करने का प्रयास किया। अपराधी घर का ताला तोड़ अंदर दाखिल हो गए और घर के बुजुर्ग की पिटाई कर दी। इसके बाद घर के कमरों में घुसने का प्रयास करने लगे। वहीं हो-हल्ला सुनकर भाजपा नेता धनेश्वर महतो जग गए। उन्होंने माजरा भांप लिया और दूसरे कमरे में चले गए। उन्होंने कमरे को अंदर से बंद कर दिया और पुलिस को फौरन घटना की जानकारी दे दी।

डकैती की मंशा से घुसे से अपराधी

वहीं सूचना के मिलने के 10-15 मिनट के अंदर पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंच गई। पुलिस को आता देख सभी अपराधी मौके से भाग निकले। घटना से भाजपा नेता और उनका परिवार दहशत में हैं। अपराधियों की मंशा डकैती की थी, लेकिन भाजपा नेता की सक्रियता और पुलिस की चुस्ती के कारण अपराधियों की मंशा सफल नहीं हो पायी। हालांकि अपराधियों की करतूत घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है।बयान देते धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और भुक्तभोगी भाजपा नेता धनेश्वर महतो। (वीडियो-ईटीवी भारत)

धनबाद सांसद पहुंचे धनेश्वर महतो के घर

इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और उनके भाई शत्रुघ्न महतो भाजपा नेता धनेश्वर महतो के घर पहुंचे। सांसद ने भाजपा नेता से घटना की जानकारी ली और सीसीटीवी कैमरे में अपराधियों की करतूत को देखा। सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि राज्य में विधि-व्यवस्था खराब है। जिला प्रशासन घटना में शामिल अपराधियों को चिन्हित कर कार्रवाई करें।

भुक्तभोगी भाजपा नेता ने दी जानकारी

पीड़ित भाजपा नेता धनेश्वर महतो ने कहा कि मंगलवार रात लगभग 1 बजे नकाबपोश अपराधी घर में घुसे थे और बड़ी घटना अंजाम देने की फिराक में थे, लेकिन उन्होंने पुलिस को कॉल कर इसकी सूचना दे दी। पुलिस समय पर पहुंच गई। इस कारण अपराधियों की मंशा सफल नहीं हो पाई।

न्यूज IN ब्रीफ

भाजपा एससी मोर्चा के सम्मेलन में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, की एकजुट रहकर मतदान की अपील

धनबादः झारखंड में चुनावी बिगुल बजने के साथ ही सभी पार्टियां एक्टिव मोड में आ चुकी हैं। इस मौके पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा धनबाद जिला ग्रामीण के द्वारा चिरकुंडा के टाउन हॉल में मंगलवार को प्रबुद्धजन सम्मलेन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून, सांस्कृतिक एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री हेलिकॉप्टर से चिरकुंडा पहुंचे, जहां पर भाजपा धनबाद जिला ग्रामीण घनश्याम ग्रोवर एवं विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। उसके बाद वो चिरकुंडा के टाउन हॉल पहुंचे, जहां उनका स्वागत झारखंड के पारंपरिक आदिवासी नृत्य से किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर देश भक्ति गीत के साथ हुई। निरसा विधानसभा के सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं अन्य लोगों ने मुख्य अतिथि को माला पहनाकर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा कि आज सभा में जिस तरह से महिलाओं की उपस्थिति है, इससे साफ जाहिर होता है कि आगामी विधानसभा चुनाव में महिलाओं की भूमिका अहम होगी। मंत्री ने कहा कि हरियाणा के चुनाव में अनुसूचित जाति के लोगों ने अहम भूमिका निभाते हुए विजयी दिलाई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार गरीब असहाय लोगों के लिए है। नारी को वंदन करने का मोदी ने अवसर दिलाया है। एक अटके हुए बिल को संसद से पास कराया है। उन्होंने बिल पर सर्वसम्मति बनाकर इतिहास रचा है। जम्मू कश्मीर में धारा 370 अटका हुआ था, जिसे मोदीजी ने हटाकर वहां के लोगों को जम्मू में नौकरी करने का रास्ता खोला है। सभी अनुसूचित जाति के वोटरों पर नजर टिकी हुई है, इसके लिए आपलोगों को सजग रहने की जरूरत है। वहीं मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड में जो सरकार है, उसने यहां के लोगों को छलने का काम किया है। इसको बदलने का समय आ चुका है। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के अलावा सम्मलेन को जिला अध्यक्ष ग्रामीण घनश्याम ग्रोवर, विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, परेश चंद्र दास, डब्लू बाउरी, जय प्रकाश सिंह ने भी सम्बोधित किया।

लातेहार में छह अपराधी गिरफ्तार, प्रतिबंधित क्रियावादी संगठन बनाकर फैला रखा था दहशत

लातेहारः जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अपराधियों के एक गैंग का पदार्फाश किया है। पुलिस ने प्रतिबंधित क्रियावादी संगठन के 6 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। अपराधियों के पास से पांच हथियार और अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अपराधियों में मनिका के जूंगुर का रहने वाला अपराधी अनिल यादव, जावेद अंसारी, सदर थाना के मानिकपुर निवासी सागर यादव, शिवनंदन यादव, लातेहार स्टेशन निवासी अखिलेश यादव और बालूमाथ रजवार निवासी मिथिलेश यादव शामिल है। दरअसल, लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि मनिका थाना क्षेत्र के जूंगुर गांव का रहने वाला अपराधी अनिल यादव एक अलग प्रतिबंधित क्रियावादी उग्रवादी संगठन बनाकर क्षेत्र में दहशत फैला रहा है। संगठन के अपराधियों के द्वारा लोगों को डरा धमकाकर रंगदारी और लेवी की मांग की जा रही है। इस सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर बरवाडीह डीएसपी भरत राम के नेतृत्व में पुलिस ने एक टीम बनाकर अपराधियों के खिलाफ छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने जूंगुर गांव के पास से अनिल यादव को गिरफ्तार किया। फिर अनिल यादव की निशानदेही पर पुलिस ने लातेहार सदर थाना क्षेत्र के मानिकपुरा गांव में छापेमारी की, वहां छिपे हुए दो अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस ने चार देसी राइफल, एक देसी रिवाल्वर, चार गोली, वर्दी समेत कई अन्य समान भी बरामद किए हैं। वहीं, अपराधियों की निशानदेही पर तीन अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया।

इधर, बुधवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी भरत राम ने बताया कि सभी अपराधी प्रतिबंधिच क्रियवादी संगठन बनाकर क्षेत्र में दहशत फैला रहे थे। इनका मुख्य कार्य लोगों से रंगदारी वसूलना था। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार सभी अपराधियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। जिसकी छानबीन पुलिस के द्वारा की जा रही है। अनिल यादव गैंग का मुख्य सरगना था। रंगदारी वसूलने की योजना इसके द्वारा ही बनाई जाती थी और फिर सभी अपराधी मिलकर संवेदक को डराने धमकाने का काम करते थे। छापेमारी दल में डीएसपी भरत राम के अलावे मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार, सत्येंद्र कुमार रंजन पासवान समेत अन्य पुलिस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

कर्म का त्याग कभी नहीं करना चाहिए : जीयर स्वामी

पलामू : सिंगरा में चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के चौछे दिन श्रीमद्भागवत कथा-प्रवचन के दौरान श्री लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि सृष्टि में कोई भी व्यक्ति बिना कर्म किए नहीं रह सकता। शास्त्रों में मुख्य रूप से तीन प्रकार के कर्म बताए गए हैं जिनमें एक होता है क्रियमाण कर्म, जिसका फल इसी जीवन में हमें तुरंत प्राप्त हो जाता है। दूसरा संचित कर्म, जिसका फल बाद में मिलता है। तीसरा होता है प्रारब्ध कर्म जो व्यक्ति के भाग्य और जीवन का निर्माण करते हैं। यदि विपरीत परिस्थितियों में भी लोग सुखी रहकर मयार्दापूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे होते हैं तो इसका श्रेय उनके संचित कर्म को जाता है। स्वामी जी महाराज ने कहा कि अपने विचार पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वह विचार तुम्हारा कर्म बन जाएंगे और अपने कर्मो पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वह कर्म तुम्हारा भाग्य बन जाएंगे।कहा कि पुरुषार्थी और कर्मठशील व्यक्ति को हमेशा अपने कर्म में अंतिम क्षण तक रहना चाहिए। कर्म का त्याग कभी नहीं करना चाहिए।भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का वर्णन करते हुए स्वामीजी ने कहा कि द्वारिकापुरी में धन, बल, पद-प्रतिष्ठा, रूप-वैभव, ऐश्वर्य, यश-कीर्ति भी अपूर्व है थी। किसी चीज की कमी नहीं थी। केवल एक चीज की कमी हो गई वह है धर्म, महात्मा, धर्म शास्त्र के वाक्यों पर शब्दों पर अश्रद्धा, अविश्वास हो गई। परिणाम क्या हुआ। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि मानवीय जीवन में अगर उठन-बैठन, बोल-चाल, खान-पान, रहन-सहन चंचल हो जायेगा या भटक जायेगा तो इसका परिणाम भुगतना ही पड़ेगा, चाहे कोई भी हो, भगवान का परिवार ही क्यों न हो। उसे भटकने से कोई रोक नहीं सकता, इसीलिए व्यक्ति को हमेशा अपनी मयार्दा में रहना चाहिए मयार्दाओं का ख्याल करना चाहिए,लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक वैदिक मंत्रोचार के साथ आहुति और स्वाहा वेद मंत्र, ऋत्विक से यज्ञशाला यज्ञमय हो गया है। श्रद्धालुओं के काफी भीड़ उमड़ रही है। महायज्ञ के चौथे दिन श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। वहीं प्रवचन सुनने को लेकर भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। बुधवार को सुबह पांच बजे से ही परिक्रमा करने वालों की हुजूम उमड़ पड़ा। पुलिस प्रशासन और यज्ञ समिति के महिला-पुरुष वोलेंटियर को भीड़ संभालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

दिलजीत दोसांझ की आवाज में 'भूल भुलैया-3' का टाइटल सॉन्ग रिलीज

भूल भूलैया-3' इस समय काफी डिमांड में है। इस फिल्म की इस समय खूब चर्चा हो रही है। इतना ही नहीं फिल्म 'भूल भुलैया-3' ट्विटर पर भी ट्रेंड कर रही है। 'भूल भूलैया-3' के गानों को लेकर हर कोई उत्सुक था। कल फिल्म की टीम ने फिल्म के पहले गाने यानी टाइटल ट्रैक की घोषणा की। 'भूल भुलैया-3' का टाइटल सॉन्ग हाल ही में रिलीज हुआ है। कार्तिक आर्यन का 'भूल भुलैया-3' के टाइटल सॉन्ग में डांस का जादू और दिलजीत दोसांझ की आवाज देखी जा सकती है।

'भूल भूलैया-3' का टाइटल सॉन्ग

हर कोई 'भूल भुलैया-3' के टाइटल सॉन्ग को लेकर उत्सुक था। आखिरकार आज टाइटल सॉन्ग रिलीज हो गया है। इस टाइटल सॉन्ग को दिलजीत दोसांझ ने अपनी खास आवाज दी है। इतना ही नहीं, मशहूर अमेरिकी रैपर पिटबुल ने इस गाने की कुछ लाइनें गाकर फैन्स के बीच क्रेज पैदा कर दिया है। इस गाने पर कार्तिक आर्यन वह एक खास स्टेप करते और जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं। ये गाना रिलीज होते ही कुछ ही देर में वायरल हो गया। पिछले दो पार्ट की तरह एक बार फिर 'भूल भुलैया-3' का टाइटल सॉन्ग दर्शकों को पसंद आता दिख रहा है।

फिल्म 'भूल भूलैया-3' के बारे में

फिल्म 'भूल भुलैया-3' दिवाली के मौके पर 1 नवंबर को हर जगह रिलीज होगी। यह फिल्म रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' से क्लैश होगी। पहले पार्ट में अक्षय कुमार ने सबका दिल जीत लिया था तो दूसरे भाग में कार्तिक आर्यन ने भी कमल किया गया। अब तीसरे पार्ट में विद्या बालन और माधुरी ने वापसी की है तो वह पहली बार हॉरर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा कियारा अडवाणी तीसरा पार्ट देखने को मिलेगा या नहीं यह तो फिल्म रिलीज होने के बाद ही पता चलेगा। इस बीच हर कोई 'भूल भूलैया-3' देखने के लिए बेताब है।

जैकलीन, नरगिस और सोनम बाजवा ने हाउसफुल 5 की शूटिंग के मजेदार बीटीएस पल शेयर किए

जल्द ही पर्दे पर ऑडियंस को हाउसफुल 5 देखने को मिलेगी। इस समय हाउसफुल 5 के लिए उत्साह पूरे जोरों पर है। हाल ही में एक्ट्रेस सोनम बाजवा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक बीटीएस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में शूटिंग के पीछे की झलक को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। सोनम बाजवा ने इंस्टाग्राम पर इस पोस्ट को शेयर किया है, जिसमें जैकलीन फर्नांडीज और नरगिस फाखरी के साथ सेट के अंतिम दिनों की एक झलक फैंस तक शेयर की है। जादुई पल और मुस्कुराहट से भरा यह वीडियो दिल छू लेने वाले रिश्ते को दर्शाता है। चाहे वे बारिश में नाच रहे हों, धूप में भीग रहे हों, या अपने कुत्तों के साथ घूम रहे हों, तीनों एक्ट्रेस का बॉन्ड कमाल का नजर आ रहा है।

सोनम ने लिखा प्यार भरा नोट

सोनम ने इस वीडियो को कैप्शन दिया, पिछले कुछ दिन मेरे लिए कैसे दिखे, और इन दो खूबसूरत लड़कियों पर मेरा पूरा दिल है, और इस पोस्ट को तुरंत प्रशंसकों और सह-कलाकारों से समान रूप से प्यार मिला। जैकलीन ने फूल इमोजी के साथ जवाब दिया, जबकि नरगिस ने लिखा ₹बहुत प्यारा वीडियो₹ है। यह वीडियो देखकर फैंस में उत्साह भर गया।

फिल्म हाउसफुल 5 की कास्ट

हाउसफुल के निर्माता, साजिद नाडियावाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट ने हाल ही में पूरे कलाकारों की ग्रुप को एक साथ रोमांचक तस्वीर साझा की थी। वहीं, इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह, सौंदर्या शर्मा, डिनो मोरिया, श्रेयस तलपड़े, निकितिन धीर, जॉनी लीवर, चंकी पांडे, रंजीत जैसे सितारे शामिल हैं। बता दें कि, हाउसफुल 5 अगले साल 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दिव्या खोसला ने 'जिगरा' के मेकर्स पर फिर लगाए गंभीर आरोप

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री, निर्माता व निर्देशक दिव्या खोसला पिछले कुछ महीनों से चर्चा में हैं। कुछ दिनों पहले दिव्या ने आलिया की फिल्म 'जिगरा' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर उंगली उठाते हुए गंभीर आरोप लगाए थे। आलिया का कहना है कि थिएटर खाली होने के बावजूद जिगरा टीम नकली कलेक्शन दिखा रही है। इसी तरह दिव्या खोसला कुमार ने एक बार फिर 'जिगरा' फिल्म की टीम पर सीधा आरोप लगाया और करण जौहर की आलोचना की। दिव्या ने कहा कि आलिया की फिल्म 'जिगारा' की कहानी और कुछ दिन पहले रिलीज हुई दिव्या की फिल्म 'सावी' की कहानी एक जैसी है। दिए इंटरव्यू में दिव्या ने कहा, ''मैं अन्याय के खिलाफ आवाज उठा रही हूं और मिस्टर करण जौहर मुझे चुप कराने के लिए मेरा अपमान कर रहे हैं। क्या गलत काम के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला को मूर्ख कहना सही है? मेरे साथ क्या हुआ है, इंडस्ट्री में नए लोगों के साथ क्या हो रहा है? यहां कोई राजा नहीं है इसलिए कोई मेरे साथ ऐसा व्यवहार नहीं कर सकता। दिव्या खोसला ने कहा, और भी अपमानजनक शब्द हैं जिनका वह अपने पीआर लेखों में उल्लेख करते हैं। अगर मैं गलत काम के खिलाफ आवाज उठाती हूं, तो इसे पीआर स्टंट कहा जाता है। मुझे खेद है, लेकिन मुझे इसकी आवश्यकता नहीं है। लोग मुझे पहले से ही बहुत जानते हैं। इस तरह दिव्या ने करण जौहर पर आरोप लगाया है। इस बीच इन सभी मामलों में आलिया भट्ट भी खामोश है। अब देखना ये है कि दिव्या और 'जिगरा' टीम के बीच ये विवाद कहां तक पहुंचेगा।

रकुल को जिम में वर्कआउट करते समय लगी गंभीर चोट

जिम में वर्कआउट करते वक्त एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह को पीठ में गंभीर चोट लगी है। वर्कआउट सेशन में रकुल 80 किलो डेडलिफ्ट करने की कोशिश कर रही थीं। रकुल प्रीत एक फिटनेस फ्रीक हैं और हमेशा सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ अपनी जिम और योग की तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं।गंभीर रूप से घायल रकुल प्रीत की हेल्थ अपडेट सामने आई है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह साउथ सिनेमा के साथ-साथ बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। रकुल प्रीत अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। हालांकि, खबर है कि वर्कआउट के दौरान रकुल प्रीत घायल हो गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ₹रकुल पिछले कुछ दिनों से बेड रेस्ट पर हैं और हालत बेहद खराब हो गई है। घटना 5 अक्टूबर की सुबह की है, जब रकुल अपना वर्कआउट कर रही थीं। उन्होंने बिना बेल्ट पहने 80 किलो वजन उठाया। उनकी पीठ में तेज़ दर्द होने लगा।₹ अभिनेत्री ने ऐसा करना जारी रखा, जिससे चोट और बढ़ गई। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। रकुल प्रीत अजय देवगन के साथ 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल चल रही है। वो पेन किलर लेकर अपनी अपकमिंग फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग कर रही हैं। उन्हें हर तीन से चार घंटे में दर्द होता था, तीन दिन के दर्द के बाद वह फिजियोथेरेपिस्ट के पास गईं। चोट की वजह से रकुल की L4, L5 और S1 नसें ब्लॉक हो गई हैं। उन्हें दवा का इंजेक्शन लगाया गया और अब वह धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं।

कंगना रनौत की इमरजेंसी कब होगी रिलीज?

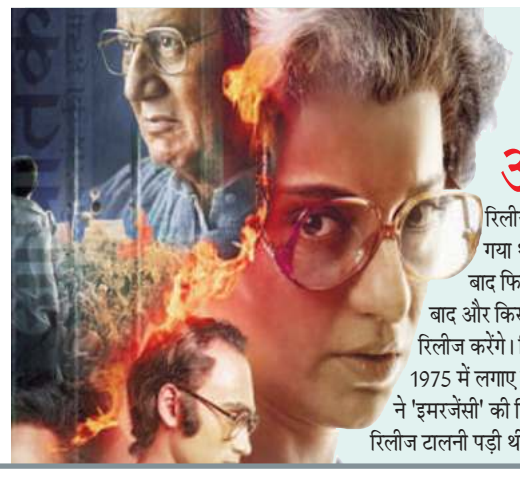

अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज लंबे समय से अटकी पड़ी है। अब खबर आयी है कि फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। इंडिया टुडे डिजिटल की एक एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स इस फिल्म को पंजाब चुनाव के बाद सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। बता दें, इससे पहले ये फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली थी। लेकिन सिखों के विरोध के बाद इसे टाल दिया गया था। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया है कि सीबीएफसी की सभी शर्तों पर सहमति जताने के बाद, टीम संभवतः पंजाब चुनाव के बाद फिल्म रिलीज करेगी। यह फिल्म वाकई सभी के दिल के करीब है और दर्शकों को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। इसलिए, काफी विचार-विमर्श के बाद और किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाने के लिए, पूरी टीम ने फैसला किया कि चुनाव खत्म होने के बाद, वे एक उपयुक्त दिन तय करेंगे और फिल्म रिलीज करेंगे। फिलहाल फिल्म को शांत समय में रिलीज करना सबसे अच्छा फैसला लगता है। रनौत की यह फिल्म तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाए गए आपातकाल की राजनीतिक घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। इसके ट्रेलर के रिलीज होने के बाद से फिल्म विवादों में घिरी हुई है। सिख समूहों ने 'इमरजेंसी' की रिलीज का विरोध जताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह उनके समुदाय को गलत तरीके से पेश करती है। इसके बाद मेकर्स को फिल्म की रिलीज टालनी पड़ी थी। सिख संगठनों की आलोचनाओं के बाद सीबीएफसी ने इमरजेंसी के लिए यू/ए सर्टिफिकेट जारी किया और कुछ कट्स का सुझाव दिया था।

सीबीए राउंड 2 : क़िंगदाओ ने शंघाई को हराया झिंजियांग ने शेनझेन पर दबदबा बनाया

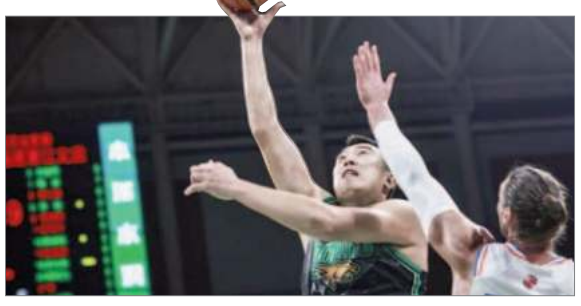

एजेंसी

बीजिंग : क़िंगदाओ ईगल्स ने बुधवार रात 2024-25 चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) सीज़न के दूसरे दौर में शंघाई शार्क्स पर 101-97 से कड़ी जीत दर्ज की। शंघाई ने पहले क्वार्टर में क़िंगदाओ की गति से बराबरी की, लेकिन बाद में बराबरी करने में संघर्ष किया। चौथे क्वार्टर तक स्टार सेंटर वांग ज़ेलिन ने शंघाई को वापसी कराने की कोशिश की। लियू झेंग ने अंतिम क्षणों में एक महत्वपूर्ण थ्री-पॉइंटर मारा, लेकिन उनके साथी ट्रेमोंट वाटर्स ने आर्क से परे से गेम-टाईइंग शॉट मिस कर दिया, जिससे शार्क्स अंततः पीछे रह गए। क़िंगदाओ के आक्रमण ने शानदार संतुलन दिखाया, जिसमें छह खिलाड़ियों ने दोहरे अंकों में स्कोर किया। होनहार सेंटर यांग हैनसेन ने ईगल्स की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए 17 अंक और 11 रिबाउंड का योगदान दिया। इससे पहले मंगलवार को झिंजियांग फ्लाइंग टाइगर्स ने शेनझेन लेपर्ड्स पर 130-117 से शानदार जीत दर्ज की थी। डेड्रिक लॉसन, जो प्रीसीजन और सीजन ओपनर दोनों में संघर्ष कर रहे थे, ने पहले क्वार्टर में 18 अंक बनाए, उन्होंने मैदान से 8 में से 7 शॉट लगाकर झिंजियांग को शुरुआती 23 अंकों की बढ़त दिलाई। उनके साथी क्वेंटिन पीटरसन बेंच से भी उतने ही प्रभावशाली थे, उन्होंने जोरदार प्रदर्न किया और झिंजियांग ने पहले हाफ में 81 अंक बनाए। हालांकि शेनझेन ने दूसरे हाफ में वापसी की, लेकिन शुरुआती गैप को दूर करना बहुत मुश्किल साबित हुआ, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। झिंजियांग के पांच खिलाड़ियों ने दोहरे अंकों में स्कोर किया, जिसमें लॉसन ने 31 अंक और 10 रिबाउंड के साथ खेल समाप्त किया, जबकि पीटरसन ने 32 अंक और आठ रिबाउंड किये। दूसरे दौर के अन्य खेलों में, लिओनिंग फ्लाइंग लेपर्ड्स ने फुजियान स्टर्जन्स को 116-76 से हराया, झेजियांग गोल्डन बुल्स ने जिलिन नॉर्थईस्ट टाइगर्स को 121-113 से हराया, शांक्सी लूंग्स ने सिचुआन ब्लू व्हेल्स को 108-91 से हराया, बीजिंग रॉयल फाइटर्स ने जियांग्सू ड्रैगन्स को 109-84 से हराया, बीजिंग डक्स ने निंग्बो रॉकेट्स को 96-75 से हराया, झेजियांग लायंस ने नानजिंग मंकी किंग्स को 115-112 से हराया, और शेडोंग हीरोज ने ग्वांगडोंग साउदर्न टाइगर्स को 115-105 से हराया।

आईपीएल 2025: क्लासेन, कमिंस, अभिषेक को रिटेन करने को तैयार सनराइजर्स हैदराबाद

एजेंसी

नई दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका के पावर-हिटर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शीर्ष रिटेंशन खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, क्लासेन को पहले रिटेन किए गए खिलाड़ी के रूप में 23 करोड़ रुपये मिलेंगे। फ्रैंचाइज़ी ने दो अन्य रिटेंशन डील को भी अंतिम रूप दिया है, जो ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पैट कमिंस (18 करोड़ रुपये), जो 2024 में सनराइजर्स के कप्तान थे, और भारत के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा (14 करोड़ रुपये) हैं। समझा जाता है कि सनराइजर्स के जल्द ही ट्रैविस हेड और नितीश कुमार रेड्डी को भी रिटेन करने की संभावना है। आईपीएल ने इस साल के अंत में होने वाली मेगा नीलामी से पहले रिटेंशन के लिए 31 अक्टूबर की समय सीमा तय की है। कमिंस, जिन्होंने पिछले सीजन में सनराइजर्स को फाइनल तक पहुंचाया था, 2025 में भी कप्तान बने रहेंगे। हाल ही में आईपीएल ने फैसला किया है कि एक फ्रैंचाइज़ 2024 की अपनी टीम से अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है - जिसमें अधिकतम पाँच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय या विदेशी) और दो अनकैप्ड भारतीय शामिल हैं। फ्रैंचाइज़ नीलामी में रिटेंशन डील और राइट-टू-मैच (आरटीएम) कार्ड के किसी भी संयोजन के माध्यम से अपने खिलाड़ियों को बनाए रख सकती हैं। 2025 की नीलामी के लिए पर्स 120 करोड़ रुपये है। आईपीएल ने विभिन्न रिटेंशन स्लैब भी निर्धारित किए हैं, जो पहले तीन कैप्ड रिटेंशन के लिए 18 करोड़ रुपये, 14 करोड़ रुपये और 11 करोड़ रुपये, और अगले दो के लिए 18 करोड़ रुपये और 14 करोड़ रुपये, जिसमें अनकैप्ड भारतीयों को अधिकतम 4 करोड़ रुपये मिलेंगे, हैं, लेकिन फ्रैंचाइज़ को 75 करोड़ रुपये के कैप्ड रिटेंशन पॉट को पाँच कैप्ड खिलाड़ियों के बीच अपनी इच्छानुसार विभाजित करने की अनुमति है। कमिंस-वेटोरी नेतृत्व समूह ने अभिषेक और रेड्डी जैसे युवाओं को जो स्वतंत्रता दी, उससे उन्हें हेड और क्लासेन की संगति में फलने-फूलने में मदद मिली। हेड और अभिषेक ने यकीनन आईपीएल में अब तक देखी गई सबसे खतरनाक ओपनिंग जोड़ी बनाई, दोनों ने लगातार 200 से ज़्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाए। हेड ने 15 पारियों में 191.55 की स्ट्राइक रेट से 567 रन बनाकर ओवरऑल रन बनाने वालों की सूची में चौथा स्थान हासिल किया। क्लासेन ने भी उतनी ही मज़बूत फिनिशिंग की, स्ट्राइक रेट के मामले में वह सिर्फ अभिषेक से पीछे रहे। अभिषेक ने 204.21 की स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए, जबकि क्लासेन ने 171.07 की स्ट्राइक रेट से 479 रन बनाए। क्लासेन की सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक के रूप में बढ़ती प्रतिष्ठा आईपीएल 2023 से पहले मिनी-नीलामी में सनराइजर्स द्वारा उनके लिए भुगतान किए गए 5.25 करोड़ रुपये से 338% की वृद्धि में परिलक्षित होती है। उन्होंने अब तक सनराइजर्स में अपने दो सत्रों में 26 पारियों में 174 की स्ट्राइक रेट से 927 रन बनाए हैं। अभिषेक के टी20 क्रिकेट में सफल वर्ष ने उन्हें 115% की मूल्य वृद्धि के साथ पुरस्कृत किया है। उन्होंने अपने आईपीएल 2024 के कारनामों के दम पर भारत के टी20आई कॉल-अप को अर्जित किया, और अब वह 2022 सीज़न से पहले मेगा नीलामी में सनराइजर्स द्वारा उनके लिए भुगतान की गई राशि (6.5 करोड़ रुपये) से दोगुने से अधिक की कमाई करेंगे। अभिषेक का 2024 में अब तक टी20 स्ट्राइक रेट 194.84 है, जो इस साल प्रारूप में 200 से अधिक गेंदों का सामना करने वाले किसी भी बल्लेबाज के लिए सबसे अधिक है। आईपीएल 2024 में भी, टूर्नामेंट के शीर्ष दस रन बनाने वालों में उनका स्कोरिंग रेट सबसे अधिक था। इक्कीस वर्षीय तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर रेड्डी - जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ़ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज़ में भारत के लिए पदार्पण किया था, और अपने दूसरे मैच में 34 गेंदों पर 74 रन बनाए थे - 2024 में सनराइजर्स के लिए एक भरोसेमंद सहायक साबित हुए थे, उन्होंने 142.92 की स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए और तीन विकेट लिए। अगर सनराइजर्स इन सभी पाँच रिटेंशन को पक्का कर लेता है, और डेडलाइन से पहले अपनी सूची में छठा खिलाड़ी नहीं जोड़ता है, तो उनके पास नीलामी में एक आरटीएम कार्ड होगा, जिसका इस्तेमाल केवल अनकैप्ड भारतीय के लिए किया जा सकता है।

विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड के मुख्य कोच नियुक्त हुए थॉमस ट्यूशेल

एजेंसी

लंदन : फीफा विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए थॉमस ट्यूशेल को बुधवार को इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। जर्मनी के ट्यूशेल, जिन्होंने पहले पेरिस सेंट-जर्मेन, चेल्सी और बायर्न म्यूनिख का प्रबंधन किया था, 2026 विश्व कप से पहले जनवरी 2025 में अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा कि जुलाई में यूरोपीय चैम्पियनशिप के बाद पद छोड़ने वाले गैरेथ साउथगेट की जगह लेने के लिए व्यापक तलाश के बाद ट्यूशेल को चुना गया। ट्यूशेल ने जर्मनी, फ्रांस और इंग्लैंड में प्रमुख ट्रॉफी जीतीं और दिवंगत स्वेन-गोरान एरिक्सन और फैबियो कैपेलो के बाद इंग्लैंड के तीसरे विदेशी कोच हैं। वह इंग्लैंड के सबसे सफल कोचों में से एक साउथगेट का स्थान लेंगे, जिन्होंने देश को बैक-टू-बैक यूरोपीय चैम्पियनशिप फाइनल और एक विश्व कप सेमीफाइनल तक पहुंचाया। यूरो 2024 के फाइनल में स्पेन से हार के बाद साउथगेट ने आठ साल बाद पद छोड़ दिया। एफए ने कहा कि उसने ट्यूशेल पर फैसला करने से पहले कई उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया था। ट्यूशेल ने 2021 में चेल्सी को चैंपियंस लीग खिताब दिलाने के दौरान यूरोपीय क्लब फुटबॉल का सबसे बड़ा पुरस्कार जीता। उन्होंने फ्रांस में पीएसजी और जर्मनी में बायर्न के साथ लीग खिताब जीते हैं। पिछले सीजन के अंत में बायर्न छोड़ने के बाद उन्होंने इंग्लैंड की नौकरी संभाली। 51 वर्षीय ट्यूशेल एफए के उस कोच को नियुक्त करने के दायरे में फिट बैठते हैं, जिसने उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन किया है और चेल्सी के साथ अपने समय के बाद अंग्रेजी खेल को भी जानता है। एफए ने जुलाई में कहा था कि उसे "इंग्लिश फुटबॉल का अच्छा अनुभव रखने वाला और प्रीमियर लीग और/या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला कोई व्यक्ति चाहिए।" उसने यह भी कहा कि नया कोच टीम को "एक बड़ा टूर्नामेंट जीतने और लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक के रूप में रैंक करने" के लिए विकसित करेगा। चेल्सी के मैनेजर के रूप में, ट्यूशेल ने पद संभालने के कुछ ही महीनों के भीतर क्लब को चैंपियंस लीग खिताब दिलाया था। उन्होंने प्रीमियर लीग क्लब के साथ यूईएफए सुपर कप और क्लब विश्व कप भी जीता। इंग्लैंड की एकमात्र बड़ी ट्रॉफी 1966 में विश्व कप थी।

आरजी कर अस्पताल से हटाए गए 29 सिविक वॉलंटियर्स

एजेंसी

कोलकाता। दुर्गा पूजा से पहले ही आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से 29 सिविक वॉलंटियर्स को ड्यूटी से हटा लिया गया है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार सूत्रों के अनुसार, इन वॉलंटियर्स को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है। उनकी जगह अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि अस्पतालों और स्कूलों जैसी संवेदनशील जगहों पर सिविक वॉलंटियर्स तैनात नहीं किए जा सकते। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की बेंच ने यह आदेश दिया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि केंद्रीय बलों और पुलिस की संयुक्त तैनाती के कारण सुरक्षा की दृष्टि से कोई समस्या नहीं होगी। हालांकि, अन्य सरकारी अस्पतालों में सिविक वॉलंटियर्स की तैनाती हटाने के बाद सुरक्षा प्रबंधों पर अभी भी चर्चा जारी है। कोलकाता पुलिस में लगभग छः हजार पद खाली हैं, और शहर के सभी सरकारी अस्पतालों में लगभग 20-30 सिविक वॉलंटियर्स तैनात हैं। ये वॉलंटियर्स पुलिसकर्मियों और होम गार्ड्स की सहायता के साथ-साथ अस्पताल की सुरक्षा में भी योगदान देते हैं।

उल्लेखनीय है कि नौ अगस्त को आरजी कर कांड के आरोप में सिविक वॉलंटियर संजय राय को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि उसकी उस दिन अस्पताल में कोई ड्यूटी नहीं थी, फिर भी वह अस्पताल के सेमिनार कक्ष में मौजूद था। इसके बाद अस्पताल में सिविक वॉलंटियर्स की ड्यूटी और उनकी आवाजाही पर सवाल उठाए गए, जिसके चलते पुलिस ने इन वॉलंटियर्स को प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया। यह प्रशिक्षण जनवरी से शुरू होगा। लालबाजार की ओर से बताया गया कि आरजी कर घटना के बाद शहर के अस्पतालों में सीसीटीवी निगरानी की जरूरत का आकलन किया गया। आरजी कर अस्पताल में पहले से मौजूद 199 सीसीटीवी कैमरों के अतिरिक्त लगभग 500 नए कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही, अस्पताल में तैनात निजी सुरक्षा कर्मियों को भी प्रशिक्षण देने का काम शुरू कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार से एक शपथपत्र के रूप में विस्तृत रिपोर्ट की मांग भी की है।

गुजरातः कच्छ में भूकंप के झटके, लोगों में दहशत

एजेंसी

भुज। कच्छ जिले के कई क्षेत्रों में गुरुवार तड़के भूकंप के झटके आने से लोगों में दहशत फैल गई। भूकंप का केन्द्र कच्छ जिले के खवडा से 47 किलोमीटर दूर था। सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4 दर्ज की गई है। गुरुवार तड़के 3 बज कर 54 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए जिससे कई क्षेत्रों में दहशत फैल गई। हालांकि इससे किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार कच्छ में महीने के दौरान 2 से 4 तीव्रता वाले भूकंप के झटके आते रहे हैं। यहां बार-बार आ रहे भूकंप को लेकर सिस्मोलॉजी विभाग शोध कर रहा है। वर्ष 2015 में मिनिस्ट्री ऑफ साइंस ने कच्छ के पंडित श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ यूनिवर्सिटी को भूकंप को लेकर शोध करने को कहा था। अलग-अलग 8 प्रोजेक्ट के जरिये बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों का कारण समझने का प्रयास जारी है।

एक जानकारी के अनुसार कच्छ के वागड क्षेत्र में अक्सर भूकंप के झटके आते हैं। वागड में दक्षिण वागड फॉल्टलाइन और कच्छ मेन फॉल्टलाइन का संगम होता है, जससे इस दो लाइन के मिलने से रापर, भचाउ के समीप अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। पिछले काफी समय से वागड क्षेत्र में जो फॉल्टलाइन है, यह अधिक सक्रिय हुआ है। इसके कारण यहां अधिकांश झटके महसूस किए गए हैं। फॉल्टलाइन को बंद करना संभव नहीं है। नुकसान से बचने के लिए सर्तकता की जा रही है। इसमें जीवनशैली और निर्माण का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भूकंप का पैटर्न वर्षों से पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर बढ़ रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

सौतेले पिता पर यौन उत्पीड़न का आरोप, एफआईआर

शिमला। राजधानी शिमला में रिश्तों को शर्मशार करने वाला मामला सामने आया है। यहां की एक युवती ने अपने सौतेले पिता पर शराब के नशे में छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि सौतेला पिता शराब पीकर उसके साथ अश्लील हरकतें करता है। आरोपित उसके साथ गलत काम करने की बात करता है। वह कई बार ऐसी हरकतें कर रहा है। शिमला पुलिस पीड़िता की शिकायत पर शिमला पुलिस यौन उत्पीड़न की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी में जुट गई है। मामला शिमला के बालूगंज थाना क्षेत्र में सामने आया है। पीड़िता के अनुसार पिता की मौत के बाद कुछ वर्ष पहले मां ने दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद वह मां औ? सौतेले पिता के साथ रहने लगी। सौतेला पिता ने कुछ दिनों से छेड़छाड़ शुरू कर दी और उसकी ये हरकतें बढ़ती गईं। आरोपित मौका पाकर उसके अंगों को छूकर जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर वह गाली-गलौज करता है और मुंह बंद रखने की धमकी देता है। सौतेला पिता अक्सर शराब पीकर इस तरह की जबरदस्ती करता है। शिकायत में पीड़ित युवती की आपबीती से पुलिसकर्मी हतप्रभ रह गए। पुलिस ने तुरंत आरोपित के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं में केस दर्ज किया है। शिमला पुलिस के एक अधिकारी ने गुरूवार को बताया कि आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74,75 (1), (2), (3) व 79 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। आरोपित को गिरफ्तार करने की कवायद चल रही है।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उप-निर्वाचन : निर्वाचन व्यय की निगरानी के लिए नौ उड़नदस्तों और 12 एसएसटी का गठन

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा के लिए उप-निर्वाचन के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। रायपुर निर्वाचन आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण अंतर्गत निर्वाचन व्यय की निगरानी के लिए संपूर्ण जिले में 19 सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है। साथ ही नौ उड़नदस्ता दल (एफएसटी), 12 स्थैतिक निगरानी दल (एसएसटी) और दो वीडियो अवलोकन दलों (वीवीटी) का गठन किया गया है। इनके साथ ही निर्वाचन व्यय पर कड़ी निगरानी के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी, रायपुर द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में चार स्थैतिक नाकों की भी स्थापना की गई है। टिकरापारा थाना के अंतर्गत देवपुरी में, पुरानी बस्ती थाना के अंतर्गत भाठागांव में, आजाद चौक थाना के अंतर्गत अग्रसेन चौक में और कोतवाली थाना के अंतर्गत सुभाष स्टेडियम में यह स्थैतिक नाके स्थापित किए गए हैं।

नवाज शरीफ ने न्यायिक सुधार पैकेज में सहयोग के लिए मना लिया मौलाना फजलुर रहमान को

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने न्यायिक सुधार पैकेज के मुद्दे पर आखिरकार जेयूआई-एफ के मौलाना फजलुर रहमान को सहयोग के लिए मना लिया। बुधवार आधी रात बाद मौलाना फजलुर रहमान ने पत्रकारों से कहा कि कुछ बिंदुओं पर सहमति बन गई है। कुछ मुद्दों पर आम सहमति के करीब पहुंच गए हैं। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, नवाज शरीफ के आवास पर बुधवार रात हुई बैठक में इस मसले पर सहमति बन गई। बैठक में पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी, पीएमएल-एन अध्यक्ष नवाज शरीफ, जेयूआई-एफ के मौलाना फजलुर रहमान, राष्ट्रपति आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ प्रमुख रूप से शामिल हुए। हालांकि संवैधानिक संशोधनों पर पूर्ण सहमति प्राप्त करने के लिए अभी भी पीटीआई के सहयोग की आवश्यकता है। बैठक में तीनों दलों के नेताओं ने संशोधनों पर विस्तार से चर्चा की। आधी रात बाद बैठक के निष्कर्ष की जानकारी देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि कुछ बिंदुओं पर सहमति बन गई है और कुछ मुद्दों पर तीनों दल आम सहमति के करीब हैं। वह आशान्वित दिखे और कहा कि वे आम सहमति की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, "इस्लामाबाद पहुंचने के बाद मैं प्रस्तावित संशोधनों के बारे में पीटीआई से बात करूंगा।संस्थानों को मजबूत करने के लिए संशोधन लाए जाएंगे। पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि उचित समय के बाद संसद में संशोधन पारित किया जाएगा। इस बीच पीएमएल-एन नेता इशाक डार ने कहा कि न्यायिक सुधारों पर तीनों दलों के बीच सहमति बन गई है। मगर मौलाना फजल कथित तौर पर प्रस्तावित एक अलग अदालत के बजाय सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ की अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। बैठक में कुछ समय के लिए पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज, पंजाब के राज्यपाल सलीम हैदर खान, उप प्रधानमंत्री इशाक डार, आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी, कानूनमंत्री आजम नजीर तरार, कराची के मेयर मुर्तजा वहाब, पंजाब के वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब और पीपीपी के नवीद कमर मौजूद रहे।

मरंगी में करंट लगने से जंगली हाथी की मौत

गोलाघाट (असम)। काति बिहू के दिन आज राज्य में एक दुखद घटना हुई। गोलाघाट जिले के मरंगी के परजाबस्ती गांव में करंट लगने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हाथियों का एक बड़ा झुंड रात में क्षेत्र में प्रवेश कर उपद्रव मचा रहा था। इनमें से एक हाथी पास के बांस के पेड़ को तोड़कर खाने लगा। उसी बांस के जरिए हाथी बिजली की तार की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पहुंचे वन विभाग के कर्मियों ने मृत हाथी के पोस्टमार्टम की व्यवस्था की। स्थानीय लोग सुबह से ही अगरबत्ती आदि जलाकर मृत हाथी की पूजा कर रहे हैं। हाथियों का झुंड अभी भी पास के एक चाय बागान में रुका हुआ है।

भारी मात्रा में हेरोइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी। राजधानी दिसपुर और सातगांव थाना क्षेत्र में असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक टीम ने अभियान चलाकर तीन ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने गुरुवार को बताया कि एसटीएफ के इंस्पेक्टर कपिल पाठक ने नेतृत्व में दिसपुर और सातगांव थाना क्षेत्र में चलाये गये अभियान के दौरान 153.71 ग्राम हेरोइन के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों के पास से हेरोइन के अलावा एक कार (एएस- 01 एफएस- 4430), एक स्कूटी (एएस- 01 एफडब्लू- 6904) तीन मोबाइल फोन, नकद 25 हजार 780 रुपए, दो मोबाइल फोन और 94 खाली प्लास्टिक के छोटे-छोटे डिब्बे बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान भार्गव चौधरी (24), संजीव राय उर्फ मुन्ना (36) और निताई सरकार उर्फ लाला (23) के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपितों को एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

बिहार के पूर्णिया में सड़क हादसा, एक की मौत, दो घायल

एजेंसी

पूर्णिया । पूर्णिया नेशनल हाईवे 31 पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के श्रीनगर में हाई स्पीड के कारण एक युवक की मौत हो गई। घटना देर रात की है। एक बाईक से दो युवक 80 से 90 की स्पीड में जा रहे थे। एक व्यक्ति सड़क पार कर रहा था और जब तक बाईक सवार कुछ समझ पाता तब तक उस व्यक्ति को ठोकर लग गई और बाइक अनियंत्रित होकर लगभग 400 फीट तक घसीटता चला गया। जिस व्यक्ति को ठोकर लगी वह मानसिक रूप से विक्षिप्त था। बाइक इतनी तेजी से डिवाइडर से टकराती चली गई की बाइक के कई टुकड़े हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना की टीम वहां पहुंची और सभी को लेकर जीएमसीएच अस्पताल पहुंची। वहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। मृत घोषित व्यक्ति बाइक सवार था जो बाइक चला रहा था। बाइक पर बैठे दूसरे युवक को कहीं और बड़े अस्पताल में भेजा गया है। उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी।

मृतक बाईक सवार की पहचान बनमनखी के निवासी के रूप में हुई है। वह दर्जी पट्टी का रहने वाला है तथाउसके पिता का नाम मोनीसार मास्टर है एवं मृतक का नाम मो साद है जिसकी उम्र 24 वर्ष थी।

बाइक पर बैठा दूसरा 22 वर्षीय युवक विराटनगर का रहने वाला था जिसका नाम मोहम्मद सद्दाम है। घायल विक्षिप्त का ईलाज जीएमसीएच में चल रहा है। घटना रात्रि के लगभग 11:30 बजे की है।

इजराइल के हवाई हमले से दहला लेबनान 16 मारे गए, हिजबुल्लाह ने भी दागे रॉकेट

एजेंसी

बेरूत/तेलअवीव । गाजा में हमास के आतंकवादियों का सामना कर रहे इजराइल को अब ईरान समर्थिक आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह से जूझना पड़ रहा है। इजराइली सुरक्षाबल लेबनान में छुपे हिजब्बुलाह आर्तकियों को चुन-चुनकर ढेर कर रहा है। इजराइली सुरक्षाबलों (आईडीएफ) के ताजा हमले में 16 लोग मारे गए हैं। आईडीएफ ने दावा किया है कि दक्षिण लेबनान में उसके हमले में दर्जनों आतंकवादियों को मौत की नींद सुला दिया गया। लेबनान के समाचार पत्र द नेशनल न्यूज की खबर में स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया है कि बुधवार को दक्षिण लेबनान के शहर नबातिह में एक नगरपालिका भवन पर हुए इजराइली हवाई हमलों की श्रृंखला में कम से कम 16 लोग मारे गए और 52 घायल हो गए। मृतकों में नबातिह का मेयर अहमद काहिल भी शामिल है। इस हमले पर लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने कहा कि अहमद काहिल स्थानीय संकट समिति की बैठक में थे। उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा अगर दुनिया इजराइल को आक्रमण करने से नहीं रोक सकती तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने युद्धविराम की गुहार लगाने का कोई मतलब नहीं। इजराइल ने बुधवार सुबह नबातीह और आसपास के इलाकों पर करीब 12 स्थानों पर हमले किए। संयुक्त राष्ट्र के विशेष समन्वयक जीनिन हेनिस-प्लास्चार्ट ने कहा कि इजराइल ने पूरे लेबनान में नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने मंगलवार को कहा था कि अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि इजराइल अब बेरूत पर हमले कम करेगा।

द टाइम्स ऑफ इजराइल ने आईडीएफ के हवाले से कहा है कि कुछ समय पहले उत्तरी इज़राइल में लेबनान से दो रॉकेट दागे गए। इनमे से वायुसेना ने एक रॉकेट को मार गिराया। दूसरा रॉकेट खुले क्षेत्र में गिरा। इस हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। उधर, इराक में इस्लामिक प्रतिरोध ने दावा किया है कि उसने इलियट पर ड्रोन हमला किया है।

बंगाल में कम दबाव का प्रभाव, बारिश की चेतावनी जारी

कोलकाता। बंगाल से मानसून की विदाई हो चुकी है, लेकिन दक्षिण बंगाल और उत्तर बंगाल में बारिश की संभावना अभी भी बनी हुई है। बंगाल की खाड़ी में एक के बाद एक बन रहे निम्न दबाव के चलते दक्षिण बंगाल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हवाओं में नमी की अधिकता के कारण, शरद ऋतु के बावजूद आर्द्रता जनित असुविधा बनी रहेगी। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों में दक्षिण बंगाल के तटीय इलाकों में बारिश की संभावना अधिक है, जबकि उत्तर बंगाल के पांच जिलों में भी बारिश की उम्मीद जताई गई है।

दक्षिण बंगाल के अधिकांश जिलों में रविवार तक बारिश जारी रह सकती है, लेकिन कहीं भी भारी बारिश का अनुमान नहीं है। विशेष रूप से तटीय जिलों में बारिश की संभावना अधिक है, जबकि उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और आसपास के इलाकों में भी बारिश के आसार हैं। बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि शुक्रवार रात तक समुद्र में एक मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के चलते अगले सप्ताह एक और निम्न दबाव बनने की संभावना है, जो ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है। कोलकाता में भी गुरुवार और शुक्रवार को दोपहर या शाम के दौरान एक-दो बार बारिश हो सकती है। हालांकि, भारी बारिश की संभावना नहीं है। तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे रहेगा, और सुबह का मौसम सुहावना रहेगा। बुधवार को कोलकाता में न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री और अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री दर्ज किया गया था।

बिहारः सारण व सीवान में जहरीली शराब से अबतक 24 लोगों की मौत

पटना। बिहार में उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती सीवान-सारण जिले में अबतक संदिग्ध अवस्था में 24 लोगों की मौत हो गई है। सीवान के पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार ने गुरुवार सुबह बताया कि सीवान सिविल सर्जन की रिपोर्ट के अनुसार जिले में 20 लोगों की मौत हुई है। जबकि 4 लोगों की मौत की पुष्टि सारण जिले के पुलिस अधीक्षक कुमार आशीष ने की है। मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा है। बीमार व उनके स्वजन खुलकर मंगलवार रात जहरीली शराब के सेवन की बात कह रहे हैं। जबकि दोनों जिलों के डीएम व एसपी संदिग्ध पेय पदार्थ का सेवन मान रहे हैं। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम व बिसरा रिपोर्ट से ही स्पष्ट होगा कि मौत का वास्तविक कारण क्या है।

स्थानीय लोगों की शिकायत पर पुलिस ने क्षेत्र के चिह्नित शराब विक्रेताओं की गिरफ्तारी शुरू कर दी है। सारण में आठ तो सिवान में एक दर्जन से अधिक शराब विक्रेता हिरासत में लिए गए हैं। उनसे पूछताछ कर शराब या स्प्रिट आपूर्ति का जरिया पता किया जा रहा है। सारण एसपी कुमार आशीष ने 4 मौत की पुष्टि की है। उन्होंने मशरक थाना क्षेत्र में बीट के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार को निलंबित कर दिया है।

मजबूत शुरूआत के बाद शेयर बाजार पर बढ़ा दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दबाव बना नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के बाद चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। इस बिकवाली की वजह से शेयर बाजार की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करके बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की, इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में कमजोरी बनी रही। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.34 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, टेक महिंद्रा, और टीसीएस के शेयर 1.49 प्रतिशत से लेकर 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, आयशर मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 9.04 प्रतिशत से लेकर 2.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,347 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 635 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,712 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 21 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 256.71 अंक की मजबूती के साथ 81,758.07 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 630 अंक से ज्यादा गिर कर 382.22 अंक की कमजोरी के साथ 81,119.14 अंक तक पहुंच गया। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 278.89 अंक की गिरावट के साथ 81,222.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 56.10 अंक की बढ़त के साथ 25,027.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सुबह 10 बजे तक ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 225 अंक से ज्यादा टूट कर 24,802.15 अंक के स्तर तक पहुंच गया था। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 139.85 अंक की कमजोरी के साथ 24,831.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 318.76 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,501.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 86.05 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,971.30 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

यूज ब्रीफ

पशु लदे ट्रक ने पुलिस जीप को मारी टक्कर, चालक की मौत, दरोगा घायल

रांची/ गिरीडीहः पशु लोड ट्रक का पीछा करने के दौरान पुलिस की जीप पलट गई। इस हादसे में चालक की मौत हो गई, जबकि दरोगा समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह घटना बुधवार को जीटी रोड पर निमियाघाट थाना क्षेत्र के लक्ष्मणटुंडा मोड़ के पास हुई है। घटना में डुमरी थाना की जीप चला रहे निजी चालक रंजीत साव की मौत हो गई। जबकि दरोगा भास्कर ठाकुर, सिपाही विवेकानंद मुर्मू, हवलदार हुलास राम घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बुधवार को डुमरी थाना के दरोगा भास्कर ठाकुर, सिपाही विवेकानंद मुर्मू, हवलदार हुलास राम और निजी चालक रंजीत साव की टीम पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने पशु लदे ट्रक को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ट्रक को लेकर धनबाद की ओर भागने लगा। जीप में बैठी पुलिस टीम ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। इसी बीच लक्ष्मणटुंडा मोड़ के पास पशु लदे वाहन ने पुलिस जीप को साइड से टक्कर मार दी। जिससे पुलिस जीप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और वाहन का टायर ब्लास्ट कर गया, जिसके बाद वाहन पलट गया।

गोड्डा से दिल्ली के लिए एक और एक्सप्रेस ट्रेन शुरू

गोड्डा : रेलवे ने गोड्डा वासियों को नई दिल्ली के लिए नई एक्सप्रेस ट्रेन का तोहफा दिया है। इस ट्रेन का शुभारंभ बुधवार को हुआ। गोड्डा रेलवे स्टेशन से यह ट्रेन अपने निर्धारित समय सुबह 10 बजे नई दिल्ली के लिए रवाना हुई। गोड्डा स्टेशन से खुलनेवाली यह चौदहवीं ट्रेन है। यह ट्रेन देवघर, मधुपुर, न्यू गिरिडीह, होते हुए सासाराम, दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते दूसरे दिन सुबह नौ बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। यह साप्ताहिक ट्रेन प्रत्येक बुधवार को नियमित रूप से चलेगी। पहले दिन ही काफी संख्या में यात्री इस ट्रेन से गए। इससे पूर्व गोड्डा से दिल्ली के लिए हमसफर ट्रेन का परिचालन शुरू किया गया था, जो वाया भागलपुर नई दिल्ली को जाती है।

अलका तिवारी बनी झारखण्ड की नयी मुख्य सचिव

बिनय मिश्रा

विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद चुनाव आयोग ने झारखण्ड में मुख्य सचिव के रूप में अलका तिवारी की नियुक्ति की सहमति दी है। 1988 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की आईएएस अधिकारी अलका तिवारी अपने बेहतर कार्य के लिए प्रारंभकाल से जानी जाती है। अनुशासनप्रिय, कुशल कार्यदक्षता एवं अपने कर्तव्यनिष्ठा के लिए भी श्रीमती तिवारी पहचानी जाती है। झारखण्ड में दो चरण में विधानसभा चुनाव सम्पादित कराये जाने हैं और चुनाव परिणाम 23 नवम्बर को आयेंगे। मुख्य सचिव अलका तिवारी के मुख्य सचिव बनने के साथ ही 24 वर्षों के अन्तराल में एक इतिहास और रिकार्ड दोनों बना क्योंकि श्रीमती तिवारी के पति व झारखण्ड के वरीय आईएएस अधिकारी रह चुके डीके तिवारी भी झारखण्ड के मुख्य सचिव रह चुके हैं। इस प्रकार से राज्य में एक रिकार्ड बना कि यह आईएएस दम्पत्ति राज्य के मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापित हुए हैं। गौरतलब हो कि इससे पूर्व महिला मुख्य सचिव के रूप में लक्ष्मी सिंह भी झारखण्ड में मुख्य सचिव के पद पर रह चुकी हैं।

निपु सिंह 22 अक्टूबर को करेंगे नामांकन

रांचीः राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह रांची जिले के जाने-माने युवा समाजसेवी निपु सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी से हटिया विधानसभा का नामांकन 22 अक्टूबर दिन मंगलवार को सुबह 11 बजे करेंगे । श्री सिंह ने कहा कि प्राइवेट अस्पताल और प्राइवेट स्कूल के लूट से तबाह होकर और नशा,अपराध और भ्रष्टाचार से तंग आकर और महिलाओं, युवाओं और सहारा इंडिया का निवेशकों के कहने पर मैं चुनाव मैदान में उतर रहा हूं और कहां की नामांकन के दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष रामानुज सिंह सहित सैकड़ो से अधिक संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे ।

मोबाइल विवाद में छुरेबाजी, दो युवक घायल

मांडरः मांडर थाना क्षेत्र के कनभीठा गांव में मोबाइल के लेनदेन से जुड़े विवाद के चलते छुरेबाजी की घटना हुई, जिसमें टेम्पो चालक मोकिल अंसारी और आरोपी युवक सरफराज अंसारी घायल हो गए। घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मंगलवार शाम को मोकिल और सरफराज के बीच मोबाइल लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हुआ था, जो अगले दिन हिंसक रूप ले लिया। बुधवार को जब मोकिल अंसारी टेम्पो स्टैंड में खड़ा था, तभी सरफराज वहां पहुंचा और दोनों के बीच कहासुनी होने लगी, जो जल्दी ही मारपीट में बदल गई। विवाद के दौरान सरफराज ने छुरे से मोकिल की गर्दन पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल मोकिल को मांडर रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची के रिम्स अस्पताल रेफर किया गया। इस झड़प में सरफराज को भी चोटें आईं और उसका इलाज मांडर रेफरल अस्पताल में किया गया।

झारखण्ड में विधानसभा चुनाव 2024

जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद गीता कोड़ा का चुनाव लड़ना तय

चुनाव की तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रत्याशियों का भी चयन पूर्ण

ज्योति पाठक

झारखण्ड में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही प्रथम चरण 13 नवम्बर को होना तय है। इसी के फलस्वरूप विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों का चयन और उनके नामों की घोषणा की जानी है। इस क्रम में कुछ लोगों का नाम लगभग तय है। इसी क्रम में पश्चिम सिंहभूम जिला के कुल पांच विधानसभा क्षेत्रों में से जगन्नाथपुर विधानसभा क्रमांक संख्या-54 से पूर्व सांसद गीता कोड़ा का चुनाव लड़ना तय है हालांकि जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से उनके पति मधु कोड़ा वर्ष 2000 और 2005 में इस विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर काबीना मंत्री और मुख्यमंत्री भी बनें। 2009 में लोकसभा चुनाव में श्री कोड़ा के सांसद बन जाने के पश्चात श्रीमती गीता कोड़ा वर्ष 2009 में जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनीं और वर्ष 2014 में पुनः विधायक चुनी गयी। 2019 में सांसद चुने जाने के पश्चात इस विधानसभा क्षेत्र से सोनाराम सिंकु कांग्रेस से विधायक चुने गयें। कोड़ा दम्पत्ति का आधिपत्य रहा और जनता के बीच ये काफी लोकप्रिय भी रहे हैं तथा 2019 में सोनाराम सिंकु को टिकट दिलाने से लेकर विधायक बनाने तक इनकी बड़ी भूमिका रही। वर्तमान समय में विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व सांसद विधायक रह चुकी श्रीमती गीता कोड़ा को अपना प्रत्याशी बनाकर चुनावी मैदान में उतारने की सारी तैयारी पुरी कर ली है क्योंकि इस बार पुरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव पुरी गंभीरता और तत्परता के साथ लड़ने की पृष्ठभूमि तैयार कर रखी है और अबकीबार डबल इंजन की सरकार को झारखण्ड में इसकी व्यापक तैयारी भी कर रही है। केन्द्रीय मंत्री व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज चैहान एवं असम के मुख्यमंत्री को झारखण्ड का प्रभारी और सह प्रभारी बनाकर परचम लहराने की व्यापक तैयारी की है। जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में कोड़ा दम्पत्ति द्वारा किये गये व्यापक विकास कार्यों के फलस्वरूप यहां की जनता इस बार गीता कोड़ा के पक्ष में हो सकती है ऐसा राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है। इस प्रकार से एक ओर जहां ठंड का आगमन होने को है वहीं जिला में राजनीतिक सरगर्मी काफी तेज हो चली है।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की कोषांग के वरीय पदाधिकारी संग बैठक, दिये कई आवश्यक निर्देश

मेट्रो रेज

दुमकाः भारत निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड में विधान सभा आम चुनाव-2024 की घोषणा कर दी गई है तथा घोषणा की तिथि से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में विधानसभा आम चुनाव-2024 को लेकर गठित कोषांग के वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की एवं कई आवश्यक निदेश भी दिया।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में यानि 20 नवंबर को जिले में मतदान है इसे ध्यान में रखते हुए सभी कोषांग अपने कार्यों को ससमय पूर्ण कर लें। प्रशिक्षण कोषांग मतदान दल के प्रशिक्षण का कार्य पूर्ण कर लें। प्रशिक्षण के दौरान निश्चित रूप से ईवीएम जोड़ने,मॉक पोल सहित मतदान दिवस के दिन उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों की जानकारी दी जाय।जानकारी दी गयी कि 19 अक्टूबर से प्रशिक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अविलंब मेडिकल बोर्ड का भी गठन किया जाय ताकि मेडिकल बोर्ड के रिपोर्ट के आधार पर अपने आप को अस्वस्थ्य बताने वाले कर्मियों को विधानसभा आम चुनाव-2024 में ड्यूटी करने या ड्यूटी से छूट दिए जाने का फैसला लिया जा सके।

उन्होंने कहा कि स्वीप कोषांग व्यापक प्रचार प्रसार कर 20 नवंबर कोजिले के मतदाताओं को अपने घरों से निकलकर मतदान करने के लिए प्रेरित करें। लोकतंत्र के त्यौहार में हर एक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करे, इसे प्रचार प्रसार के माध्यम से सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने सामग्री कोषांग, एमसीएमसी कोषांग,वाहन कोषांग, एमसीसी कोषांग सहित अन्य कोषांग की समीक्षा की एवं आवश्यक निदेश दिए।

द्वितीय संजीव चटर्जी मेमोरियल क्रिकेट मैच का उद्घाटन

मेट्रो रेज

खलारीः डकरा स्टेडियम में द्वितीय संजीव चटर्जी मेमोरियल क्रिकेट मैच का एनके एरिया के महाप्रबंधक सुजीत कुमार ने उदघाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्रिकेट के क्षेत्र में डकरा कोयलांचल का बड़ा नाम है। डकरा स्टेडियम में अभ्यास करने वाली एनके एरिया की

टीम पिछले चार साल से लगातार : सीसीएल में चैंपियन है। यह इस बात का प्रमाण है। युवाओं को खेल के प्रति जुनून होना चाहिए। इससे वह बुरी संगत से बचते हैं और उनका स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। इससे पूर्व पहले उन्होंने उदघाटन मैच खेल रही ।

दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय किया। उदघाटन मैच साइन : क्रिकेट एकेडमी और वोइलेट क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। साइन क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 51 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी। जवाब में वोइलेट क्रिकेट एके-डमी ने मात्र 4.4 ओवर में मैच को 10 विकेट से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच अभिषेक कुमार चुने गए। इस अवसर पर राजीव चटर्जी, राजेश राय,रामकुमार, प्रकाश गहलोत, श्रीचंद,इस्माइल अंसारी अवधेश राय प्रवीण कुमार कमलेश प्रसाद प्रवेश चौहान जगदीश चौहान व अन्य कई लोग मौजूद थे।

हिंदुओं के त्योहार पर ही क्यों फैलती हैं अराजकता और हिंसा

संजय सक्सेना

यह **हिन्दुस्तान** का दुर्भाग्य है कि यहां की बहुसंख्यक आबादी को अपने तीज-त्योहार मनाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हिन्दुओं द्वारा कोई भी धार्मिक आयोजन किया जाता है उस पर कट्टरपंथियों का साया पड़ जाता है। हिन्दू जब भी कावड़ यात्रा निकाले,माता का जागरण कराये, मूर्ति विसर्जन को जाये या इसी तरह के अन्य कोई आयोजन करे तो कट्टरपंथी कहीं उस पर पथराव करने लगते हैं तो कहीं रास्ता रोक कर खड़े हो जाते हैं। उनके इस कृत्य का विरोध होता है तो यह लोग तलवारें भांजने लगते हैं। आगजनी और पेट्रोल बम तो आम बात हो गई है,लेकिन पेट्रोल बम फोड़ने वाले तब जरूर आहत हो जाते हैं जब उन्हें कहीं पटाखों की आवाज सुनाई पड़ जाती है।

हालात यह है कि हिन्दुओं के छोटे से छोटे धार्मिक आयोजन भी बिना पुलिस की सुरक्षा के घेरे के पूर्ण नहीं हो पाते हैं। हिन्दुओं के देवी-देवताओं को कभी कला के तो कभी अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अपमानित किया जाता है। न जाने क्यों पांच टाइम लाउडस्पीकर पर चीखने चिल्लाने वालों को हिन्दुओं के धार्मिक आयोजनों में बजने वाला डीजे बेचैन क्यों कर देता है। इसी तरह से होली के रंग-गुलाल भी एक वर्ग विशेष के चंद कट्टरपंथियों के चलते साम्प्रदायिक हो जाता है। ऐसा नहीं है कि यह कट्टरपंथी तभी भड़कते हों जब हिन्दुओं द्वारा अपना कोई धार्मिक जुलूस आदि सड़क पर निकाला जाता हो,हद तो तब हो जाती है जब हिन्दुओं के लिये अपने घरों में पूजा करना भी लड़ाई-झगड़े की वजह बन जाता है। गरबा या दुर्गा पूजा के पंडालो तक में यह मुस्लिम चरमपंथी पहुंच कर माहौल खराब करने से नहीं हिचकते हैं। इतना हीं कई बार तो इन अराजक तत्वों को वोट बैंक की राजनीतिक करने वाले नेताओं और पार्टियों का राजनैतिक संरक्षण भी मिल जाता है। यदि ऐसा न होता तो बहराइच में बेरहमी से मारे गये रामगोपाल मिश्र की हत्या पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव एक्स पर वह कथित वीडियो नहीं पोस्ट करते जिसमें रामगोपाल मिश्रा एक मुस्लिम परिवार के घर से हरा झंडा उतार कर भगवा झंडा लगाते हुए दिखाई दे रहा है। अखिलेश इस वीडियों के सहारे रामगोपाल मिश्रा को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं,जबकि इसका कानूनी पहलू यह है कि यदि रामगोपाल मिश्रा ने हरा झंडा उतार कर वहां भगवा झंडा फहरा भी दिया था तो हत्यारों को उसका कत्ल करने की छूट नहीं मिल जाती है। रामगोपाल मिश्र को मारा ही नहीं गया,उसके साथ हत्यारों ने वहशीपन दिखाते हुए रामगोपाल के नाखून तक बेरहमी के साथ नोंच लिये थे। ज्यादा पीछे न भी जाया जाये तो हाल फिलहाल में ही इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गा पूजा और हिन्दुओं को निशाना बनाया है। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने कहीं पंडाल पर पथराव किया गया तो कहीं मूर्ति विसर्जन के जुलूस पर हमला हुआ, जुलूस के रास्तों को लेकर भी विवाद हुआ। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल और असम तक पथराव और हिंसा हुई है। यह हिंसा हिन्दुओं के त्योहार नवरात्र के साथ ही चालू हो गई थी। हावड़ा के श्यामगंज में 13 अक्टूबर, 2024 को एक मुस्लिम भीड़ ने हिन्दू पंडालों पर हमला किया। मुस्लिम भीड़ ने दुर्गा पूजा पंडालों को नष्ट करना चालू कर दिया। उन्होंने मूर्तियों को आग लगा दी और कई पंडालों को तबाह किया। यह मुस्लिम भीड़ उस घाट पर भी पहुँची जहाँ देवी मूर्तियों का विसर्जन होना था। यहाँ इस भीड़ ने पथराव किया।

बात विशेषकर उत्तर प्रदेश की कि जाये तो यहां के कौशांबी जिले में माँ दुर्गा के विसर्जन जुलूस पर हमला हुआ। इस हमले में जुलूस में शामिल महिला श्रद्धालुओं को भी निशाना बनाया गया। हमले के दौरान तलवारें लहराई गईं और पत्थरबाजी हुई। घटना में कई श्रद्धालुओं को चोटें आई। 12 अक्टूबर, 2024 को हुए इस हमले का आरोप मुस्लिम समुदाय के लगभग एक दर्जन लोगों पर लगा है जिसमें खातूनें भी शामिल हैं। माँ दुर्गा की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया और एक महिला से दुष्कर्म की भी कोशिश हुई। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। इसी तरह से बलरामपुर में दुर्गा पूजा के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों ने पंडाल में घुसकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। आरोपितों में कलीम, अरबाज, इमरान और मुख़्तार शामिल थे, जिन्होंने महिला श्रद्धालुओं से अभद्रता की और पंडाल में लगे भगवा ध्वज को नोचकर नाली में फेंक दिया। महिलाओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिला गोंडा के मसकनवा बाजार इलाके में 9 अक्टूबर, 2024 को दुर्गा पूजा पंडाल में मूर्ति स्थापित करने के बाद देवी की आँखों पर से पट्टी हटाई गई थी। इस मूर्ति की स्थापना बीते कई सालों से की जाती है। इस मौके पर यहाँ बड़ी संख्या में हिन्दू इकट्ठा थे।पूजा अर्चना के बाद कुछ हिन्दू बच्चे इस पंडाल के बाहर पटाखे फोड़ने लगे। पटाखों की आवाज सुन कर पास में रहने वाले मुस्लिम भड़क गए। मुस्लिम परिवार के लोग बाहर निकल कर हिन्दुओं को गालियाँ देने लगे और हमलावर हो गए। उन्होंने पहले हिन्दुओं पर पथराव किया और फिर लाठी डंडों से हमला कर दिया। उधर, कुशीनगर में एक और गंभीर घटना सामने आई, जब दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कट्टरपंथियों ने मूर्ति पर पथराव किया। इस घटना में 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए आरोपितों को गिरफ्तार किया और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी। हिंदू समुदाय ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग की। अब बहराइच की हिंसा इसका नया उदाहरण है जहां मूर्ति विसर्जन के लिये जा रहे एक व्यक्ति को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। यह जानकारी उन्हीं घटनाओं की है, जो मीडिया में सामने आई हैं या जिनकी जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हुई। बढ़ते इस्लामी कट्टरपंथ को देखते हुए कहा जा सकता है कि कई घटनाएँ संभवतः बाकी शोर शराबे में दब गई होंगी। मिलाकर कट्टरपंथियों की जेहादी सोच के कारण पिछले कुछ वर्षों से शोभा यात्राओं या फिर प्रतिमा विसर्जन यात्राओं का शांतिपूर्ण माहौल में निकलना कठिन होता जा रहा है। इन धार्मिक यात्राओं पर पत्थरबाजी कई बार दंगों का रूप धारण कर लेती है, जैसा कि बहराइच में हुआ। यहां दुर्गा पूजा विसर्जन यात्रा पर घरों की छतों से पथराव हुआ। एक सतानती की हत्या कर दी गई और उसके बाद क्षेत्र में हिंसा भड़क उठी। प्रश्न यह है कि जब यह सब हो रहा था, तब पुलिस कहां थी? पुलिस की अकर्मण्यता की वजह से ही दूसरे दिन युवक के अंतिम संस्कार को पहले फिर हिंसा भड़क उठी और उग्र लोगों ने कई घरों में तोड़फोड़ की और दुकानें जला दीं। यह ठीक है कि वरिष्ठ अधिकारियों के पहुंचने के बाद हिंसा पर काबू पर लिया गया, लेकिन अहम प्रश्न यह है कि क्या सद्भाव के माहौल की वापसी हो सकेगी और उन तत्वों को सबक सिखाने वाली ठोस कार्रवाई हो सकेगी, जिनके कारण हिंसा का सिलसिला कायम हुआ?

सबसे दुखद यह है कि इस तरह की किसी भी घटना के बाद कुछ लोग सवाल खड़े करने लगते हैं कि अमुक क्षेत्र से यात्रा निकाली ही क्यो गई। किसी भी क्षेत्र को हिंदू- मुस्लिम क्षेत्र के रूप में परिभाषित करना क्या उचित है।

एसकेएमयू ने जारी की छह परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरने की तिथि

दुमकाः सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के परीक्षा विभाग ने कुल छह परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी कर दी है, जिसमें एमबीए और एमसीए सेमेस्टर-2, बीबीए और बीसीए सेमेस्टर-2 तथा एमबीबीएस फर्स्ट प्रोफेशनल और एमबीबीएस थर्ड प्रोफेशनल की परीक्षाएं शामिल हैं। छात्र एमबीए और एमसीए सेमेस्टर-2 के लिए 18 से 23 अक्टूबर तक, बीबीए और बीसीए सेमेस्टर-2 और एमबीबीएस फर्स्ट प्रोफेशनल के लिए 20 से 25 अक्टूबर तक तथा एमबीबीएस थर्ड प्रोफेशनल के लिए 21 अक्टूबर तक परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। उक्त अधिसूचना विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है।

नाबालिग को चेन्नई ले जाने से पहले युवक गिरफ्तार

चान्होः चान्हो थाना क्षेत्र के सोपारम पहाड़ टोली निवासी रवि मुंडा (पिता बिजय मुंडा) को पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर चेन्नई ले जाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह घटना तब सामने आई जब नाबालिग के परिवार को रवि की योजना की सूचना मिली और उन्होंने तुरंत चान्हो थाना में इसकी शिकायत की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रवि मुंडा नाबालिग लड़की को चेन्नई ले जाने के लिए हटिया रेलवे स्टेशन पहुंचा था, जहां ट्रेन का इंतजार कर रहा था। जैसे ही परिवार ने पुलिस को सूचना दी, चान्हो थाना प्रभारी चंदन गुप्ता ने तुरंत कार्रवाई की और हटिया रेलवे स्टेशन से रवि को गिरफ्तार कर लिया।